■ कार्तिक कृष्ण - 3 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 125 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 30-11-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

UTPAL INFRA PROJECT LLP
रेरा रजि. नं. RAJ/P/2022/2141
www.rera.rajasthan.gov.in

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना

मानसरोवर विस्तार

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

आवेदन की अंतिम तिथि
02 दिसम्बर 2023

3BHK पंजीकरण राशि 95,000
कुल राशि 43 लाख*

मुख्यमंत्री
जन आवास योजना - 3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण
द्वारा अनुमोदित एवं रियल एस्टेट रेगुलेशन एक्ट में
पंजीकृत आवासीय योजना

उत्पल
मानसरोवर विस्तार,
जयपुर

80% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल

केंद्रीय, राज्य कर्मचारीयों व प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए दो लाख रुपये की विशेष छूट।

*नियम व शर्तें लागू.

फॉर्म भरने का स्थान

बैंगलोर
37th Crescent Hotel
Near 37, Crescent Rd, High Grounds,
Gandhi Nagar, Bengaluru
9358150067, 9251625252

ऑनलाइन आवेदन हेतु
www.cmjanaawas.com

# कन्नड़ राज्योत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां हिन्दी शिक्षण संघ के तत्वावधान में बुधवार को इंदिरानगर के मांगीलाल गोटावत जैन डिग्री कॉलेज के परिसर में कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि हिन्दी शिक्षण संघ के सचिव शान्तीलाल चोपड़ा ने ध्वजारोहण करते हुए कन्नड राज्योत्सव का शुभारंभ किया। शांतिलाल चोपड़ा, तेजराज लोधा, डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य एसवी सुधारानी, उपप्रधानाचार्य एनके रंगनाथ तथा पीयूसी प्रधानाचार्य वाणी ने मिलकर दीप प्रज्वलित किया।

कन्नड़ भाषा आचार्य शिवकुमार के निर्देशन में डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों ने कन्नड़ सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

## 'जीवन उत्सव'

मुम्बई में बुधवार को 'एलआईसी जीवन उत्सव' योजना को लांच करते हुए जीवन बीमा निगम के अध्यक्ष सिद्धार्थ मोहंती एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण। इस स्कीम का नाम एलआईसी जीवन उत्सव है। यह योजना एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, इंडिविजुअल, सेविंग्स और पूर्ण लाइफ इंश्योरेंस स्कीम है। इस स्कीम में सलेक्टेड प्रीमियम भुगतान अवधि (नियमित आय से फ्लेक्सी आय) के आधार पर, बीमा राशि का 10प्रतिशत निर्दिष्ट वर्षों के बाद हर साल वापस कर दिया जाता है। यह स्कीम पॉलिसीधारक को जीवनभर लाइफ इंश्योरेंस कवरेज प्रदान करती है।

# मिश्र धातु निगम ने मनाया स्वर्ण जयंती उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/दक्षिण भारत। मिश्र धातु निगम लि. (मिधानि) ने 27 नवंबर को अपनी स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाई। इस अवसर पर मिधानि के सीएमडी डॉ. संजय कुमार झा, डी (एफ) एन गौरी शंकर राव, डी (पी एंड एम) टी मुथुकुमार और सीवीओ डॉ. उपेन्द्र वेन्नम ने वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर मिधानि के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. आरवी तम्हणकर की प्रतिमा का अनावरण तथा वाइड प्लेट के लिए नई पिक्लिंग सुविधा का उद्घाटन कर इस ऐतिहासिक दिन को अविस्मरणीय बनाया।

डॉ. झा ने कहा है कि मिधानि ने मिश्र धातु के क्षेत्र में शानदार इतिहास रचा है। संस्थापक निदेशक डॉ. तम्हणकर और डीएमआरएल ने भारत सरकार के सामने एक दूरदर्शी प्रस्ताव पेश किया था। उस पहल का उद्देश्य देश की महत्त्वपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करना रहा है। डॉ. झा ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में प्रसिद्ध एक और प्रतिष्ठित वैज्ञानिक डॉ. ब्रह्म प्रकाश को याद किया।

एन गौरी शंकर राव ने कहा कि मिधानी उन लोगों के लचीलेपन, दृढ़ संकल्प और सपनों की कहानी है, जो आत्मनिर्भर भारत चाहते थे। हम डॉ. तम्हणकर और डॉ. ब्रह्म प्रकाश दोनों के अतुलनीय योगदान को नमन करते हैं। टी मुत्तुकुमार ने कहा कि निरंतर एकीकरण और तकनीकी प्रगति के माध्यम से मिधानि राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक महत्त्व के मिश्र धातुओं और उत्पादों की आपूर्ति के लिए उन्नत धातुकर्म उत्पादन में अग्रणी के रूप में उभरा है। डॉ. उपेन्द्र वेन्नम ने आशा व्यक्त की कि यह कंपनी निरंतर प्रगति पथ पर आगे बढ़ती रहेगी और भविष्य में अपना शताब्दी वर्ष अवश्य मनाएगी। इस अवसर पर नारायण राव, एम रामलू नाइक और एसके द्विवेदी ने भी विचार व्यक्त किए। मिधानि का स्थापना दिवस कर्मचारियों द्वारा बीपीडीएवी स्कूल के विद्यार्थियों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रदर्शन, कॉफी टेबल बुक के विमोचन और स्वर्ण जयंती डाक टिकट के प्रदर्शन के साथ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुपार्थ सेन के स्वागत भाषण के साथ हुई। आनंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

## जीवन उत्सव

हैदराबाद में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने बुधवार को एक नया प्लान 'एलआईसी का जीवन उत्सव' लॉन्च किया है। मुम्बई के केन्द्रीय कार्यालय में इसका विधिवत शुभारंभ हुआ। हैदराबाद में जोनल मैनेजर एलके शमसुन्दर ने एक पोस्टर जारी किया। इस मौके पर विपणन क्षेत्रीय प्रबंधक उथुप जोसेफ ने इस उत्पाद की जानकारी दी। एलआईसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के में लिखा, 'एलआईसी जीवन उत्सव नाम से नई स्कीम शुरू कर रहे हैं। इसमें आपको लाइफटाइम गारंटीड रिटर्न मिलेगा। साथ ही संपूर्ण जीवन बीमा का फायदा मिलेगा।' इस मौके पर अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

# टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स का उपग्रह इकाई लगाने के लिए सैटेलॉजिक इंक से करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वैमानिकी और रक्षा समाधान प्रदाता टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) और नैसडेक में सूचीबद्ध सैटेलॉजिक इंक ने भारत में निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) उपग्रह बनाने के लिए एक रणनीतिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। दोनों कंपनियों ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, टीएएसएल कर्नाटक में एक उपग्रह इकाई भी शुरू करेगी।

दोनों कंपनियों ने संयुक्त बयान में कहा, टीएएसएल भारत में उपग्रहों के लिए एक असेंबलिंग, एकीकरण और परीक्षण (एआईटी) इकाई स्थापित करेगी। वह सैटेलॉजिक के साथ मिलकर एक उपग्रह डिजाइन का भी संयुक्त रूप से विकास करेगी।

टीएएसएल का उपग्रह एआईटी संयंत्र कर्नाटक के वेमागल स्थित इकाई में बनाया जाएगा। यह राष्ट्रीय रक्षा और वाणिज्यिक अनुप्रयोगों के लिए भारत में उपग्रहों के निर्माण और इमेजरी के विकास पर केंद्रित होगा। बयान के अनुसार, टीएएसएल और सैटेलॉजिक एक नए उपग्रह डिजाइन के विकास पर सहयोग करेंगे, जो एक ही उपग्रह पर कई पेलोड को एकीकृत करेगा जो विविध प्रकार के डेटा उत्पन्न करने में मदद करेगा। 'सैटेलॉजिक सब-मीटर रिज़ॉल्यूशन' पृथ्वी अवलोकन (ईओ) से जुड़े डेटा संग्रह में अग्रणी कंपनी है।

बयान में कहा गया, परियोजना व्यापक प्रशिक्षण, ज्ञान के हस्तांतरण और ऑप्टिकल सब-मीटर रिज़ॉल्यूशन ईओ उपग्रहों की स्थानीय असेंबलिंग के साथ शुरू होगी। पहले उपग्रह को टीएसएटी-1ए के रूप में प्रक्षेपित करने की योजना है। टीएएसएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) सुकरण सिंह ने कहा कि कंपनी पेलोड एवं अन्य प्रौद्योगिकियों के लिए स्थानीय कंपनियों के साथ मिलकर काम करेगी।

# मुख्य सचिव वंदिता शर्मा को भावभीनी विदाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य सरकार की मुख्य सचिव वंदिता शर्मा को उनकी सेवानिवृत्ति पर बुधवार को यहां कुमारकृप्पा गेस्ट हाउस में भावभीनी विदाई दी गई। इस विदाई समारोह की शुरुआत में राज्य सरकार के शीर्ष अधिकारियों की सामूहिक तस्वीर लेने के बाद भोज का आयोजन किया गया। बैठक में मुख्यमंत्री के उप मुख्य सचिव डॉ. रजनीश गोयल, उपमुख्य सचिव एवं विकास आयुक्त डॉ. शालिनी रजनीश, वित्त विभाग के उप मुख्य सचिव एल.के. अतीक, जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं बृहत बेंगलुरु महानगर निगम के प्रशासक राकेश सिंह, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, बृहद बेंगलूरु महानगर निगम के मुख्य आयुक्त तुषार गिरिनाथ आदि उपस्थित थे।

# उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का कर्ज सुविधा के लिए वॉटर डॉट ओआरजी से समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (उज्जीवन एसएफबी) ने किफ़ायती कर्ज के माध्यम से लोगों के लिए सुरक्षित जल एवं सेनिटेशन सुविधाओं को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से वैश्विक गैर-लाभ संगठन वॉटर डॉट ओआरजी के साथ साझेदारी की है। इस संबंध में बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस साझेदारी के तहत वॉटर डॉट ओआरजी, उज्जीवन एसएफबी को उन क्षेत्रों को पहचानने में मदद करेगी जिन्हें स्वच्छ जल एवं हाइजीनिक सेनिटेशन के लिए फाइनेंसिंग की ज़रूरत है। इसमें वॉटर डॉट ओआरजी तकनीकी सहायता, बाज़ार मूल्यांकन, जानकारी के विकास, शिक्षा एवं संचार सामग्री, निगरनी एवं मूल्यांकन में सहयोग प्रदान करेगी।

उज्जीवन एसएफबी नए एवं मौजूदा उपभोक्ताओं को छह हजार रुपए से एक लाख रुपये तक के कर्ज देगी ताकि वे जल एवं सेनिटेशन सुविधाओं का निर्माण या नवीनीकरण कर सकें। उज्जीवन एसएफबी ने पिछले साल 30 करोड़ रुपये के वॉटर एण्ड सेनिटेशन कर्ज वितरित किए थे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साझेदारी के द्वारा उज्जीवन एसएफबी अगले तीन सालों में किफ़ायती कर्ज देकर 65000 परिवारों के लिए सुरक्षित पेयजल एवं हाइजीनिक सेनिटेशन सुविधाओं को सुलभ बनाएगी।

उज्जीवन एसएफबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), इत्तिरा डेविस ने कहा, हमारा उद्देश्य बेहतर सेनिटेशन एवं सुरक्षित जल उपलब्ध कराकर लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाना है, ताकि उनके जीवनस्तर में सुधार लाया जा सके और वे अधिक उत्पादक कामों में समय लग सकेंगे और देश के आर्थिक विकास में योगदान दे सकेंगे। वॉटर डॉट ओआरजी के दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए निदेशक मनोज गुलाटी ने कहा, इस साझेदारी के माध्यम से हम नागरिकों को गरिमामय जीवन जीने में मदद कर सकेंगे।

# सरकारी अस्पताल में मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां कर्नाटक बटालियन3 एनसीसी के तत्वावधान में आरसी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट में गत दिनों कॉलेज परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शिविर का आयोजन एनसीसी के 75वें वर्ष दिवस की पूर्व संध्या पर किया गया था जो 27 नवंबर 2023 को था। शिविर का उद्देश्य कैडेटों/छात्रों को रक्तदान करने और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरित करना था। मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल दामोदरन पीपी कमांडिंग ऑफिसर 3 कर्नाटक बटालियन; ने कैडेटों/छात्रों को संबोधित किया और उन्हें स्वेच्छा से बार-बार रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में युवा छात्रों में भारी उत्साह देखा गया और बड़ी संख्या में उन्होंने रक्तदान किया। लगभग 300 यूनिट रक्त एकत्रित कर ब्लड बैंक को सौंपा गया।

# कर्नाटक उच्च न्यायालय ने उप मुख्यमंत्री शिवकुमार को अपील वापस लेने की अनुमति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार को आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में मुकदमा चलाने के लिए सरकार द्वारा सीबीआई को दी गई मंजूरी को रद्द करने से इनकार के एकल पीठ के फैसले को चुनौती देने वाली अपील वापस लेने की अनुमति दे दी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ववर्ती कर्नाटक सरकार ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई)को दी थी जिसके बाद उनके खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आय से अधिक संपत्ति के कथित आरोप की जांच की जा रही थी।

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से शिवकुमार का पक्ष रखने के लिए उपस्थित हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि चूंकि जिस मंजूरी को चुनौती दी गई है, उसे सरकार ने वापस ले लिया है, इसलिए यह मुद्दा निरर्थक हो गया है, और उनके पास इसे (अपील) वापस लेने के निर्देश हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की अध्यक्षता वाले वर्तमान कर्नाटक मंत्रिमंडल ने 23 नवंबर को माना कि शिवकुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले की जांच के लिए पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा सीबीआई को दी गई सहमति कानून के अनुरूप नहीं थी और साथ ही मंजूरी वापस लेने का फैसला किया। इसके बाद इस संबंध में एक सरकारी आदेश जारी किया गया। मुख्य न्यायाधीश प्रसन्ना बी वराले और न्यायमूर्ति कृष्ण एस दीक्षित की पीठ ने शिवकुमार के वकीलों को अपील वापस लेने के लिए एक ज्ञापन दायर करने की अनुमति दी, और इसे रिकॉर्ड पर लेते हुए अपील को वापस ली गई के रूप में निस्तारित कर दिया।

भाजपा नेता और विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने राज्य सरकार द्वारा मंजूरी वापस लेने को चुनौती देते हुए एक हस्तक्षेप आवेदन दायर किया था जिसे उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया। शिवकुमार के आवास और कार्यालयों की 2017 में आयकर विभाग ने तलाशी ली थी जिसके आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनके खिलाफ अपनी जांच शुरू की। ईडी की जांच के आधार पर, सीबीआई ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए राज्य सरकार से मंजूरी मांगी। राज्य सरकार ने 25 सितंबर, 2019 को सीबीआई को जांच की अनुमति दी जिसके बाद तीन अक्टूबर, 2020 को केंद्रीय एजेंसी ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की।

## श्रद्धासुमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्तरप्रदेश के मेरठ में तपस्वीरत्न श्रमण संघीय सलाहकार भीष्म पितामह राजर्षि श्री सुमतिप्रकाश महाराज साहब के संथारा सहित देवलोक गमन पर श्रद्धांजलि अर्पित करने राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया भी उपस्थित हुए। उन्होंने संतश्री को नमन कर श्रद्धांजलि दी।

# अद्भुत है मुनियों का आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के न्यू गुदळहल्ली मैसूरु रोड टोल गेट में आचार्यश्री हिमांशुकुमारजी और मुनिश्री दीपकुमार का आध्यात्मिक मिलन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में बेंगलूरु का श्रावक समाज उपस्थित था।

मुनिश्री हिमांशुकुमारजी ने कहा कि संतों का यह मिलन मधुरता का संदेश देता है। हम सौभाग्यशाली हैं की हमें तेरापंथ शासन मिला है, ऐसे दृश्य हमारे संघ में उपस्थित होते हैं। एक-दूसरे के प्रति विनय और वात्सल्य का आदर आदान- प्रदान होता है। मुनि दीप कुमारजी में विद्वता भी है, विनम्रता भी है। मुनि दीपकुमारजी, मुनिश्री राकेश कुमारजी स्वामी जैसे विशिष्ट संतों की सेवा में रहे हुए है, उनकी कुछ छवि इनमें देखने को मिलती है। काव्य मुनि में अच्छी प्रतिभा है हमारे संघ के विशिष्ट संत बने ऐसी अध्यात्मिक कामना करता हूँ। बेंगलूरु का श्रावक समाज श्रद्धालु है।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि बड़े भाग्य से हमने यह जिनशासन पाया है और उसमें भी तेरापंथ सा संघ मिला है मानो तरुवर की छाया प्राप्त हो रही है। आचार्य महाश्रमण जैसे गुरुवर प्राप्त है। मुनिश्री हिमांशु कुमारजी स्वामी श्रमशील संत हैं। गांधीनगर में ऐतिहासिक चातुर्मास करके पधारे हैं। हेमंत मुनि भी कर्मठ है। आज मुनिश्री का यहां पधारना हुआ है मैं मुनिश्री का स्वागत करता हूँ। एक ही शहर में बहुत

सौहार्दपूर्ण वातावरण में दो चातुर्मास हुए। मनोहरलालजी बाबेल परिवार सौभाग्यशाली है, ऐसे अद्भुत संत मिलन का प्रसंग उनके मकान में हो रहा है।

मुनिश्री हेमन्त कुमारजी और मुनिश्री काव्य कुमार ने भी भावपूर्ण उद्गार प्रगट किए। कार्यक्रम में बेंगलूरु तेरापंथी सभा अध्यक्ष कमल दुगड, तेरापंथी सभा-विजयनगर के अध्यक्ष प्रकाश गांधी, अनीशा बाबेल, अक्षरा बाबेल ने भी विचार व्यक्त किए।

# बुकिंग होल्डिंग्स का बेंगलूरु में उत्कृष्टता केंद्र शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यात्रा एवं संबंधित सेवाओं की ऑनलाइन सेवा प्रदाता बुकिंग होल्डिंग्स ने बेंगलूरु में अपना उत्कृष्टता केंद्र शुरू किया है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'बुकिंग.कॉम' और 'अगोडा.कॉम' जैसी वेबसाइट का संचालन करने वाली बुकिंग होल्डिंग्स ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उत्कृष्टता केंद्र कंपनी की वृद्धि और दृष्टिकोण का समर्थन करने वाली विशिष्ट और दक्ष प्रौद्योगिकी प्रतिभा के लिए एक केंद्र के रूप में काम करेगा।

विज्ञप्ति के मुताबिक, पांच वर्षों के भीतर इस केंद्र में 25 करोड़ डॉलर के अनुमानित निवेश के साथ 2026 के अंत तक बेंगलुरु में 1,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। बुकिंग होल्डिंग्स इंडिया के महाप्रबंधक रणधीर बिंद्रा ने कहा कि यह केंद्र कंपनी को शहर की विश्वस्तरीय प्रतिभाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा अनुभव में बदलाव लाने के लिए नवाचार को गति देगा और कंपनी के लिए अपने व्यवसाय और ग्राहकों की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए नई संभावनाएं खोलेगा।

# स्टालिन ने वायकोम सत्याग्रह पर आधारित पुस्तक के कन्नड़ अनुवाद का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बुधवार को वायकोम सत्याग्रह पर आधारित एक तमिल पुस्तक 'वायकोम पोराट्टम' के कन्नड़ अनुवाद का विमोचन किया। केरल के त्रावणकोर में अस्पृश्यता और जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ करीब एक शताब्दी पूर्व वायकोम सत्याग्रह चलाया गया था।

सामाजिक आंदोलन द्रविड़ कषगम के प्रमुख के. वीरामणि ने यहां चेन्नई में राज्य सचिवालय में स्टालिन से कन्नड़ में अनुवाद की गयी पुस्तक की पहली प्रति प्राप्त की। इस मौके पर स्कूली शिक्षा मंत्री अंबिल महेश पोय्यामोझी और मुख्य सचिव शिवदास मीणा मौजूद थे। राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, 'वायकोम पोराट्टम' को मूल रूप से लेखक पाझा अथियामन ने तमिल भाषा में लिखा था, जबकि पुस्तक का कन्नड़ अनुवाद प्रोफेसर श्रीधर के मार्गदर्शन में सेल्वाकुमार ने किया है।

# कुछ गलत नहीं किया, केवल पार्टी का कार्य किया : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को दावा किया कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है, बल्कि केवल पार्टी के लिए काम किया है, जिसके लिए उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह टिप्पणी कर्नाटक उच्च न्यायालय में उनके खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति (डीए) अर्जित करने के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच से संबंधित कार्यवाही के संदर्भ में की।

उच्च न्यायालय में कार्यवाही को लेकर संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में शिवकुमार ने कहा, मैं कुछ नहीं जानता....मुझे नहीं पता कि अदालत में क्या हुआ है, बिना जाने-समझे टिप्पणी करना मेरे लिए सही नहीं होगा....मेरे वकील मुझे सूचित करेंगे, उसके बिना मैं कोई टिप्पणी नहीं कर सकता क्योंकि यह अदालत का मामला है, और मेरे हिसाब से अदालती मामले से दूर रहना ही अच्छा है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने डीए मामले में सीबीआई जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा सहमति वापस लेने को चुनौती देते हुए एक हस्तक्षेप याचिका दायर की थी। इस बारे में शिवकुमार ने कहा, किसी को कुछ भी करने दीजिए...मुझे पता है कि किसने क्या कहा है या क्या टिप्पणी की है और मैंने अत्यंत विनम्रता से उनका अवलोकन किया है। मैं उन्हें सही समय पर जवाब दूंगा, अभी नहीं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अदालत के घटनाक्रम को राहत के रूप में देखते हैं? तो उपमुख्यमंत्री ने कहा, लोगों ने देखा है, मैंने कोई गलत काम नहीं किया है। मैंने सिर्फ पार्टी का काम किया। पार्टी का काम करने के लिए मैंने कई परेशानियों का सामना किया है। अगर वे भविष्य में भी मुझे परेशान करना चाहते हैं तो भगवान भी हैं और राज्य की जनता भी है।

संभवतः विधानसभा चुनाव परिणामों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, आप जानते हैं कि मुझे परेशान करने पर राज्य में क्या हुआ। उन लोगों को मेरा 'नमस्कार' जो मेरे साथ खड़े रहे और मेरे लिए प्रार्थना की। उच्च न्यायालय ने आज शिवकुमार को डीए मामले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई को दी गई सरकारी मंजूरी को रद्द करने से इनकार करने के एकल पीठ के फैसले को चुनौती देने वाली उनकी अपील वापस लेने की अनुमति दे दी।

भाजपा की पूर्ववर्ती कर्नाटक सरकार ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति सीबीआई को दी थी, जिसके बाद उनके खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी और आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप की जांच की जा रही थी।

G20 भारत 2023 INDIA

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

# विकसित भारत के संकल्प को मजबूती देती युवाशक्ति

## 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के लिए रोज़गार मेला

देश भर में 37 स्थानों पर सरकारी नौकरियों में चयनित
51 हज़ार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्रों का वितरण

प्रधानमंत्री

## नरेन्द्र मोदी

द्वारा

30 नवंबर 2023, शाम 04:00 बजे

(वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से)

- भारत सरकार सहयोगी राज्य सरकारों के साथ मिलकर लाखों नए रोज़गारों का कर रही सृजन
- महिलाओं, दिव्यांगजन, और आकांक्षी जिलों के अभ्यर्थियों को विशेष लाभ
- सरल, निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रिया
- सभी नियुक्तियाँ यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, आईबीपीएस जैसी एजेंसियों के माध्यम से
- विशेष ऑनलाइन सिस्टम से खाली पदों एवं भर्ती प्रक्रिया की निरंतर निगरानी
- विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्तकों की ऑनलाइन ट्रेनिंग के लिए कर्मयोगी प्रारंभ मॉड्यूल

CBC 15502/13/0019/2324

DD NEWS डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें।

मुलाकात

तारानगर में बुधवार को भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं और आमजन से मुलाकात करते भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़।

# माहौल से लग रहा है कि कांग्रेस सरकार 'रिपीट' होगी : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को कहा कि लोगों की प्रतिक्रिया और राज्य के माहौल से लग रहा है कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनेगी। राज्य की 200 में से 199 विधानसभा सीटों के लिए 25 नवंबर को चुनाव हुआ था और मतों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के कारण करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया है। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को कितनी सीटें मिलने की उम्मीद है यह पूछे जाने पर गहलोत ने यहां संवाददाताओं से किसी तरह का कयास लगाने से इनकार किया।

उन्होंने कहा, 'ये मैं नहीं कह

सकता कि कांग्रेस कितनी सीटें जीतेगी... मैं कभी गणना नहीं करता हूं। लेकिन मोटे तौर पर मुझे माहौल 'अंडर करंट' (सरकार के पक्ष में माहौल) वाला लग रहा है। जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं उससे अंदाजा है कि (लोगों का) इस बार सरकार 'रिपीट' करने का मन है।' दिल्ली रवाना होने से पहले गहलोत ने कहा,'मायबाप तो जनता ही होती है। उनका फैसला पूरी नम्रता से स्वीकार करेंगे।' गहलोत ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राजस्थान में आक्रामक प्रचार करने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों समेत पार्टी के नेताओं पर भड़काऊ भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने कन्हैया लाल हत्याकांड का मुद्दा उठाया। गहलोत ने अपना आरोप दोहराया कि इस हत्याकांड में शामिल लोग भाजपा से जुड़े हुए थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजस्थान पुलिस ने घटना के दो घंटे के भीतर हत्या के आरोपियों को पकड़ लिया लेकिन भाजपा नेताओं ने इसकी बात नहीं की। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस ने यह विधानसभा चुनाव विकास और शासन के मुद्दे पर लड़ा।

# राजस्थान विधानसभा चुनाव की मतगणना 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 36 केंद्रों पर होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में गत 25 नवंबर को हुए विधानसभा आम चुनाव की मतगणना तीन दिसंबर को 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के 36 केन्द्रों पर की जायेगी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे से सभी केंद्रों पर पोस्टल बैलेट और साढ़े आठ बजे से ईवीएम के माध्यम से मतगणना आरंभ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि जयपुर, जोधपुर एवं नागौर में दो-दो केंद्रों पर और शेष 30 निर्वाचन जिलों में एक-एक केंद्र पर वोटों की गिनती की जाएगी। इस तरह 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 36 केंद्रों पर मतगणना की जाएगी।

गुप्ता ने बताया कि मतगणना स्थल और उसके आस-पास के क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किए गए हैं। मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए त्रि-स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था की गई है ताकि मतगणना स्थल पर किसी तरह का कोई व्यवधान नहीं आए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाए कि आयोग के निर्देशों की पालना करते हुए परिणाम बिना किसी त्रुटि एवं देरी के समय रहते घोषित किए जाएं।

उन्होंने बताया कि मतगणना में पूर्ण निष्पक्षता बनी रहे इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई जा चुकी 'मैंडेटरी वैरीफिकेशन' पद्धति को भी लागू किया जाएगा। इसमें संपूर्ण मतगणना के बाद प्रत्येक विधानसभा के मतदान केंद्रों से लॉटरी से 5-5 वीवीपैट का चयन कर उसकी पर्चियों की गणना कर, ईवीएम से प्राप्त मतों से मिलान किया जाएगा। रिटर्निंग ऑफिसर-पर्यवेक्षकों की निगरानी और उम्मीदवार या उनके एजेंटों के समक्ष वीवीपैट मशीन से निकली पर्चियों की मतगणना और मिलान होगा।

गुप्ता ने बताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना दलों के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों, अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारियों एवं आईटी स्टाफ को ऑनलाइन प्रशिक्षण भी दिया गया। उन्होंने मंगलवार को जयपुर के खेतान पोलेटेक्लनिकल कॉलेज में अंतर्जिला पोस्टल बैलेट केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों को देखा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

# राजस्थान में रिवाज बदलेगा, कांग्रेस बहुमत से सरकार बनाएगी : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को विश्वास जताया कि राज्य में एक बार फिर कांग्रेस की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा का धार्मिक ध्रुवीकरण का एजेंडा विफल रहा। डोटासरा ने यहां मीडिया से कहा, मतदान के बाद जो रुझान जनता, राजनीतिक विश्लेषकों से आ रहे हैं उन सबसे एक ही बात निकलकर आ रही है कि राजस्थान में राज नहीं, बल्कि रिवाज बदलेगा। कांग्रेस

पार्टी राजस्थान में एक बार फिर पूरे बहुमत के साथ सत्ता में आएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य में हर विधानसभा चुनाव में राज यानी सरकार बदलने का 'रिवाज' है। इसी संदर्भ में डोटासरा ने दावा किया कि इस बार 'राज' नहीं 'रिवाज' बदलेगा। राजस्थान में विधानसभा की 200 में से 199 सीटों के लिए मतदान 25 नवंबर को हुआ। वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। डोटासरा ने कहा विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण प्रमुख एजेंडा होता है लेकिन हमारी सरकार ने जिस तरह से सबको साथ लेकर काम किया ... उससे राजस्थान में इनका यह एजेंडा नहीं चल पाया। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की चर्चा करते हुए डोटासरा ने कहा कि इन जनकल्याणकारी योजनाओं व राज्य के बेहतर प्रशासन के मॉडल की पूरे देश में चर्चा है तथा उनको अपनाने करने की भी होड़ मची है।

# संक्रामक रोगों की निगरानी एवं रोकथाम के लिए चिकित्सा प्रबंधन पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चीन में श्वसन रोग के मामलों में वृद्धि को देखते हुए राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में संक्रामक रोगों की निगरानी एवं रोकथाम के लिए चिकित्सा प्रबंधन को पूरी सतर्कता से कार्य करने और इस बीमारी से बचाव एवं उपचार आदि व्यवस्थाओं के लिए तीन दिन में कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने चीन में फैल रही श्वसन संबंधी बीमारी से बचाव के लिए तैयारियों हेतु मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की ओर से जारी पत्र एवं उपलब्ध सूचनाओं के अनुसार अभी तक स्थिति चिंताजनक नहीं है, लेकिन प्रदेशभर में संक्रामक रोगों की निगरानी एवं रोकथाम के लिए चिकित्सा प्रबंधन पूरी सतर्कता के साथ कार्य करे।

उन्होंने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में जांच, दवा, उपचार आदि के समुचित इंतजाम सुनिश्चित हों। सिंह ने कहा कि जानकारी के अनुसार फिलहाल देश में इस बीमारी का एक भी मामला सामने नहीं आया है फिर भी एहतियातन चिकित्सा तंत्र को मजबूत रखने की दृष्टि से सजगता बरती जा रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस बीमारी से बचाव एवं उपचार आदि व्यवस्थाओं के लिए तीन दिन में कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने इसके लिए जिला एवं मेडिकल कॉलेज के स्तर पर एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करने तथा संभाग एवं जिला स्तर पर त्वरित प्रतिक्रिया टीम का गठन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन, जांच, दवा, उपचार, मानव संसाधन एवं अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। चूंकि चीन में बच्चों में श्वसन रोग के मामले अधिक सामने आए हैं इसे देखते हुए शिशु रोग इकाइयों एवं मेडिसिन विभाग में उपचार के पर्याप्त इंतजाम हों। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के संबंध में जिला एवं राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तर के बड़े चिकित्सा संस्थानों में भर्ती सिवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन (एसएआरआई) के रोगियों की 'रेंडम सैम्पलिंग' कर उनके नमूने जयपुर एवं जोधपुर स्थित प्रयोगशाला में भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों, वृद्धजनों, गर्भवती महिलाओं एवं अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे रोगियों में संक्रमण की आशंका अधिक रहती है। अतः बचाव की दृष्टि से आमजन को आवश्यक उपाय अपनाने के लिए जागरूक किया जाए। अधिकारी ने बुधवार को प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता की दृष्टि से 'मॉकड्रिल' (स्थिति उत्पन्न होने पर उससे निपटने का पूर्वाभ्यास)का आयोजन करने के निर्देश भी दिए। इस 'मॉकड्रिल' के दौरान बैड, जांच, दवा, एम्बुलेंस, मानव संसाधन एवं आवश्यक उपकरणों आदि की निगरानी की जाएगी। यह 'मॉकड्रिल' मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक होगी। सिंह ने कहा कि भारत सरकार की ओर से इस बीमारी से बचाव के संबंध में जारी परामर्श तथा चिकित्सा विभाग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जाए।

# पिता ने विवाहिता बेटी की गला काटकर हत्या करने बाद शव को पेट्रोल से जलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पाली जिले सीरियारी थाना क्षेत्र में एक पिता ने अपनी विवाहिता बेटी की कथित रूप से गला काटकर हत्या करने के बाद शव पर पेट्रोल छिडकर आग लगा दी। थानाधिकारी महिपाल सिंह ने बताया कादू गांव के शिवलाल मेघवाल ने मंगलवार दोपहर को अपनी बडी बेटी निरमा (32) की धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी और शव पर पेट्रोल छिडकर आग लगा दी। उन्होंने बताया कि छोटी बेटी द्वारा अपनी बडी बहन के बारे में पूछने पर आरोपी फरार हो गया और फिर ग्रामीणों ने अधजला शव देखकर पुलिस को सूचित किया।

उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है एवं बुधवार को पोस्टमार्टम करवाया जायेगा। थानाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि आरोपी पत्नी और बच्चों से अनबन रहने के कारण पिछले 12 साल से पाली में अकेला रहता था तथा पत्नी और बच्चे गुजरात में रहते थे। उन्होंने बताया कि परिजनों से पूछताछ में पता चला कि आरोपी का मानना था कि उसके परिवार में बडी बेटी मृतका निरमा के कारण अनबन रहती है, इसलिये उसने उसकी हत्या कर दी।

उन्होंने बताया कि निरमा किसी शादी समारोह में भाग लेने के लिए कल ही पाली के ईसाली गांव आयी थी और आरोपी पिता उसके और उसकी छोटी बहन को अपने बेटे के लिये लडकी देखने के लिये बाइक पर लेकर गया था।

सिंह बताया कि छोटी बेटी को घटना स्थल से पहले उतार कर वह निरमा को आगे ले गया और वाददात को अंजाम देकर छोटी बेटी के पास लौटा लेकिन जब छोटी बेटी ने जब पिता के हाथ में खून देखा तो उसने हल्ला मचाकर ग्रामीणों को बुलाया। उन्होंने बताया कि छोटी बहन की शिकायत पर आरोपी पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं।

# सुरक्षित रेल संचालन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेलकर्मियों को किया पुरस्कृत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय में उत्तर पश्चिम रेलवे की संरक्षा एवं कार्य समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। चारों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधक वीडियों कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुडे हुये थे। बैठक में अमिताभ, महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचालन के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया । बैठक में सर्वप्रथम महाप्रबंधक अमिताभ ने बढ़ती सर्दी के मौसम में सभी मण्डलों पर रेल में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचालन हेतु दिशा निर्देश प्रदान किए। महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि संरक्षा के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं। रेलवे के लिए संरक्षा सर्वोपरि है और इस दिशा में हमें

और सतर्क और सजग रहकर अपना योगदान देना है। वर्तमान सर्दियों के समय में सुरक्षित रेल संचालन के लिए संरक्षा के लिये सभी स्तर के निरीक्षणों पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सुरक्षित रेल संचालन में छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर हादसों को रोकने के लिए विशेष ध्यान देने पर बल दिया।

लोको पायलट द्वारा धुंध एवं कोहरे के मौसम में गति की मॉनिटरिंग पर विशेष ध्यान देने एवं सभी संकेतों की दृश्यता एवं कंट्रोल पेनल तथा ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट की गहन जांच के बारे में भी निर्देश प्रदान किए। सम्मानित कर्मचारी सुरेंद्र जे., वरिष्ठ तकनीशियन हिसार/बीकानेर मंडल द्वारा दिनांक 26.11.23 को हिसार स्टेशन पर गाड़ी संख्या 14731 के रोलिंग इन परीक्षण में एक डिब्बे की बोगी फ्रेम को डिफेक्टिव पाए जाने पर तुरंत सुपरवाइजर को सूचित कर संभावित हादसे को रोकने एवं रमेश कुमार मीना, ट्रैक मेंटेनर, रेवाड़ी को ज्यूटी के दौरान मुस्तैद रहते हुए रेवाड़ी से अनाज मंडी के मध्य रात्रि गस्त के दौरान रेलवे लाइन पर रेल फैक्चर का पता लगते ही तुरंत स्टेशन मास्टर एवं उच्च अधिकारियों को सूचना देकर संभावित हादसे को रोकने के लिए सम्मानित किया गया।

# राजस्थान में अब तक 198 महिलाएं पहुंची विधानसभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 16वीं विधानसभा के लिए गत 25 नवंबर को हुए चुनाव में 183 महिलाओं ने चुनाव लड़ा है जबकि इससे पहले आजादी के बाद हुए पन्द्रह विधानसभा चुनावों में 1069 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें 198 महिलाएं विधानसभा पहुंची। पिछले सत्तर से अधिक वर्षों में इन पन्द्रह विधानसभा चुनावों में 1069 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और इनमें 18.52 प्रतिशत महिलाएं विधानसभा पहुंची। इनमें कई महिलाएं एक से अधिक बार भी चुनाव जीता। इनमें जोधपुर की सूर्यकांता व्यास छह बार विधानसभा का चुनाव जीता। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे झालावाड़ जिले में झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक चुनी गई और दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री बनी। इस बार फिर चुनाव लड़ा हैं। इसी तरह अन्य कई महिलाएं एक से अधिक बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची।

राजस्थान की 16वीं विधानसभा के लिए गत 25 नवंबर को मतदान हो चुका है जिसका परिणाम तीन दिसंबर को आयेगा। इस चुनाव को मिलाकर राज्य में अब तक हुए 16 विधानसभा चुनावों में 1252 महिलाएं विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं।

राज्य में इस बार हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सर्वाधिक 28 महिलाओं को चुनाव लड़ाया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 20 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा। इसी तरह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी करीब 20 महिलाओं को चुनाव लड़ने का अवसर दिया। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) आम आदमी पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं को टिकट देकर इस चुनाव में उतारा।

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 27 महिलाओं को चुनाव लड़ने का मौका दिया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 23 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा था। इनमें कांग्रेस की 12 महिला उम्मीदवार विधानसभा पहुंची जबकि भाजपा की दस महिला प्रत्याशियों ने चुनाव जीता। इस चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) की प्रत्याशी इंदिरा देवी और निर्दलीय प्रत्याशी रमिला खड़िया भी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची। इस बार 16वीं विधानसभा के चुनाव में रमिला खड़िया ने कांग्रेस प्रत्याशी एवं श्रीमती इंदिरा रालोपा उम्मीदवार के रुप में फिर चुनाव लड़ा हैं।

पिछले पन्द्रह विधानसभा चुनावों में सर्वाधिक वर्ष 2008 एवं 2013 में क्रमश: 28-28 महिलाएं चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची। वर्ष 2008 में 154 महिला प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा जबकि वर्ष 2013 में 166 महिलाओं ने विधानसभा का चुनाव लड़ा। इन दो चुनावों के बाद वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 189 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और 24 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची। इस चुनाव में अब तक की सर्वाधिक 144 महिला प्रत्याशियों की चुनाव में जमानत जब्त हुई। इस चुनाव में महिला प्रत्याशियों ने 40 लाख दो हजार 621 मत हासिल किए। पहली विधानसभा वर्ष 1952 के चुनाव में पहली बार चार महिलाओं ने चुनाव लड़ा लेकिन वे चुनाव जीतने में सफल नहीं हुई। इन चार महिला प्रत्याशियों ने 3030 मत हासिल किए। इसके बाद हुए वर्ष 1957 के चुनाव में 21 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें नौ महिलाएं चुनाव जीतकर पहली बार विधानसभा पहुंची। चुनाव में महिला प्रत्याशियों ने एक लाख 59 हजार 733 मत प्राप्त किए।

तीसरी विधानसभा के लिए वर्ष 1962 में हुए चुनाव में 15 महिलाओं ने अपना चुनावी भाग्य आजमाया जिनमें आठ महिलाएं विधायक चुनी गई। वर्ष 1967 में हुए चुनाव में 19 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें छह महिलाओं ने चुनाव जीता। इसके बाद वर्ष 1972 में पांचवीं विधानसभा के लिए चुनाव में 13 महिलाएं विधायक बनकर विधानसभा पहुंची। इस चुनाव में 17 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और इनमें 76.47 प्रतिशत महिलाएं चुनाव जीतने में सफल रही। आपातकाल के बाद वर्ष 1977 में हुए छठी विधानसभा के चुनाव में 31 महिलाओं ने चुनावी भाग्य आजमाया। जिनमें आठ महिलाएं विधानसभा पहुंची। इसके बाद वर्ष 1980 में हुए विधानसभा चुनाव में भी 31 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिसमें दस महिला विधायक चुनी गई। आठवीं विधानसभा के लिए वर्ष 1985 में हुए चुनाव में 45 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें 17 महिला विधायक बनकर विधानसभा पहुंची। वर्ष 1990 में नौवीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में महिलाओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लेते हुए 93 महिलाएं चुनाव मैदान में उतरी लेकिन इस चुनाव में केवल 11 महिलाओं को जीत नसीब हो सकी। इसके बाद वर्ष 1993 हुए चुनाव में 97 महिलाओं ने चुनाव लड़ा लेकिन इस चुनाव भी केवल दस महिला प्रत्याशी ही चुनाव जीत सकी।

## ज्योति मिर्धा के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मामला दर्ज

जोधपुर। राजस्थान में नागौर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार ज्योति मिर्धा के खिलाफ एक भूमि विवाद में धोखाधड़ी के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने यह जानकारी मंगलवार को दी। उदय मंदिर थाने में पूर्व सांसद मिर्धा, उनकी बहन और एक अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी और जाली दस्तावेज तैयार करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा, यह मामला आदर्श प्रगतिशील गृह निर्माण सहकारी समिति से संबंधित भूमि विवाद से जुड़ा है। किसान नेता विजय पूनिया ने पहले मिर्धा और उनकी बहन पर मानहानि, झूठे आरोप लगाने, धोखाधड़ी और जाली भूमि दस्तावेज जमा करने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पूनिया ने कहा, चूंकि प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई, तो हमने जोधपुर की अदालत का दरवाजा खटखटाया और अदालत ने 17 नवंबर को पुलिस को मामले में प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया।

## चेक बाउंस मामले में विधायक सोलंकी को एक साल के कारावास की सजा

जयपुर। कोटपूतली-बहरोड़ की एक स्थानीय अदालत ने चेक बाउंस के मामले में विधायक वेद प्रकाश सोलंकी को एक साल के कारावास की सजा सुनाई और उनपर 55 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है। सोलंकी चाकसू से कांग्रेस विधायक हैं और इस विधानसभा चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार भी हैं। अधिवक्ता महेंद्र कुमार प्रजापत ने बुधवार को बताया कि अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट निखिल सिंह की अदालत ने मंगलवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने सोलंकी को एक साल के साधारण कारावास की सुज़ा सुनाई और उनपर 55 लाख रुपये का जुर्माने लगाया, जिसमें से 54 लाख रुपये परिवादी मोहर सिंह यादव को दिए जाएंगे। परिवाद के हवाले से बताया कि 2015 में सोलंकी ने सेवानिवृत्त शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक मोहर सिंह से एक भूखंड के सौदे के लिए 35 लाख रुपये लिए थे और सौदा नहीं हो पाने पर सोलंकी ने उन्हें 35 लाख रुपये का चेक दिया जो बाउंस हो गया।

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित




2 कुछ गलत नहीं किया, केवल पार्टी का कार्य किया : शिवकुमार

6 फलौदी इरादों और आत्मविश्वास की जीत

7 तकनीक का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे : सिद्दरामैया



## फर्स्ट टेक

### फ्रांस में कलयुगी योग गुरु और 40 शिष्य गिरफ्तार

**पेरिस/वार्ता।** फ्रांस में अधिकारियों ने विवादास्पद योग संगठन 'मूवमेंट फॉर स्पिरिचुअल इंटीग्रेशन इनटू द एब्सोल्यूट' (एमआईएसए) के खिलाफ छापा मारकर 'गुरु'समेत 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस योग संगठन के नेता एवं गुरु ग्रेगोरियन बिवोलारू(71) पर दुर्व्यवहार के कई आरोप हैं। यह कथित योग गुरु पिछले वर्षों में रोमानिया, स्वीडन और फ्रांस में न्यायिक अधिकारियों के निशाने पर रहा है। बिवोलारू को रोमानिया और स्वीडन दोनों देशों की नागरिकता प्राप्त है। सूत्रों के अनुसार ने इस योग केन्द्र के लोगों को पेरिस क्षेत्र और दक्षिणी फ्रांस में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया और उनमें संप्रदाय के अन्य प्रमुख सदस्य भी शामिल हैं।

### संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने सूचीबद्ध किये 18 विधेयक

**नई दिल्ली/भाषा।** सरकार ने अगले सप्ताह शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के लिए बुधवार को 18 विधेयक सूचीबद्ध किये, जिनमें महिला आरक्षण अधिनियम के प्रावधानों को जम्मू-कश्मीर और पुडुचेरी तक बढ़ाने संबंधी दो तथा आपराधिक कानूनों को बदलने के लिए तीन विधेयक शामिल हैं। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार एक ऐसा विधेयक लाने की भी योजना बना रही है, जिसमें प्रवासी कश्मीरियों, पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर से विस्थापित व्यक्तियों तथा अनुसूचित जनजातियों को प्रतिनिधित्व प्रदान करने के लिए जम्मू और कश्मीर विधानसभा में सीट की संख्या 107 से बढ़ाकर 114 किये के प्रावधान हों।

### सेबी ने निवेश सलाहकार नियमों के उल्लंघन पर नौ इकाइयों पर प्रतिबंध लगाया

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नौ इकाइयों को प्रतिभूति बाजार से कम-से-कम दो साल के लिए प्रतिबंधित करने के साथ ही उन्हें अपंजीकृत निवेश सलाहकार सेवाओं के माध्यम से जुटाए गए आठ करोड़ रुपये तीन महीने के भीतर निवेशकों को लौटाने का निर्देश दिया है। बाजार नियामक ने इन पर कुल 18 लाख रुपये का जुर्माना लगाकर 45 दिन के अंदर इसका भुगतान करने को भी कहा है। प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित की गई इकाइयों में योगेश कुकड़िया, राजेश आर कल्लिडुम्बिल, नितिन राज, सिग्नल2नॉएज कैपिटल पार्टनर्स, इन्वेस्टो इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स, एसएस इन्फो सेल, एसआई डिजी सेल्स, सीटी वेब सेल्स और एमएल टेली सेल्स शामिल हैं।

| सूर्यास्त 30-11-2023 | सूर्योदय 01-12-2023 |
|---|---|
| 5:51 बजे | 6:25 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 66,901.91 | 20,096.60 |
| (+727.70) | (+206.90) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 6,240 रु. | 71,700 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |


**मिशन मंडेला**

**दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com




कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

**जीवन जीता**

लो खुली टनल जीवन जीता,  
पुरुषार्थ काम आया सब के।  
वर्ना हो जाती किंवदंती,  
रह जाते यदि नीचे दब के।  
ना धर्म जाति की थी कोशिश,  
मानवतावादी थे तबके।  
हैं धन्य धन्य वे सारे ही,  
आजीवन ऋणी रहें रब के।।

# मणिपुर के उग्रवादी समूह यूएनएलएफ ने सरकार के साथ किया शांति समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



**नई दिल्ली/भाषा।** मणिपुर में सक्रिय उग्रवादी समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) ने बुधवार को सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये और हिंसा त्यागने पर सहमति जताई। यूएनएलएफ मणिपुर में सक्रिय सबसे पुराना उग्रवादी संगठन है। यह घटनाक्रम इस महीने की शुरुआत में कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत समूह पर प्रतिबंध की अवधि पांच साल बढ़ाने के फैसले के बाद आया है।

एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि यूएनएलएफ के प्रतिनिधियों ने यहां केंद्रीय गृह मंत्रालय और मणिपुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए।

केंद्र की संघर्ष समाधान पहल के तहत पूर्वोत्तर के कई जातीय सशस्त्र समूहों के साथ राजनीतिक समझौतों को अंतिम रूप दिया गया है। यह पहली बार है कि इंफाल घाटी में सक्रिय कोई मणिपुरी सशस्त्र समूह हिंसा छोड़कर और भारतीय संविधान एवं कानून का सम्मान करते हुए मुख्यधारा में लौटने पर सहमत हुआ है।

**शाह ने बताया- ऐतिहासिक उपलब्धि**

अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की गयी!!! पूर्वोत्तर में स्थायी शांति स्थापित करने के मोदी सरकार के अथक प्रयासों में एक नया अध्याय जुड़ गया है क्योंकि यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट ने आज नई दिल्ली में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।'' उन्होंने कहा, '' मणिपुर की घाटी में सक्रिय सबसे पुराना सशस्त्र समूह यूएनएलएफ हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने पर सहमत हो गया है। मैं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनका स्वागत करता हूं और शांति और प्रगति के पथ पर उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं देता हूं।'' शाह ने कहा कि भारत सरकार और मणिपुर सरकार श्ररा यूएनएलएफ के साथ किया गया शांति समझौता छह दशक लंबे सशस्त्र संघर्ष के अंत का प्रतीक है।

## अगले साल धीमी पड़ जाएगी विश्व अर्थव्यवस्था: ओईसीडी

**वाशिंगटन/एपी।** इस साल आश्चर्यजनक रूप से लचीली साबित हुई विश्व अर्थव्यवस्था युद्ध से पैदा होने वाले तनाव, मुद्रास्फीति में वृद्धि और ऊंची ब्याज दरों के कारण अगले साल धीमी पड़ जाएगी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने बुधवार को यह अनुमान जताया। पेरिस स्थित ओईसीडी ने एक रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2024 में अंतरराष्ट्रीय वृद्धि दर धीमी होकर 2.7 प्रतिशत रह जाएगी। यह 2020 में आई महामारी के बाद से सबसे धीमी वार्षिक वृद्धि दर होगी। वर्ष 2023 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

## राजनाथ सिंह का सैन्य उपकरण निर्माताओं को संदेश : गुणवत्ता की संस्कृति बनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com



नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को भारतीय रक्षा निर्माताओं से सैन्य उपकरण एवं साजो सामान का उत्पादन करते समय ''गुणवत्ता की संस्कृति'' बनाने का आह्वान किया और इसे वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा के लिए एक आवश्यक शर्त करार दिया।

सिंह ने कहा कि गुणवत्ता सुनिश्चित करके ही भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग पैदा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के दृष्टिकोण से देश को रक्षा विनिर्माण का वैश्विक केंद्र बनने में मदद मिलेगी।

रक्षा मंत्री रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के 'क्वालिटी कॉन्क्लेव' के पूर्ण सत्र को संबोधित कर रहे थे।

सिंह ने बताया कि जो देश गुणवत्तापूर्ण उत्पाद बनाते हैं, वे अपने उपकरण दुनिया भर में निर्यात करते हैं और भारत में रक्षा उपकरणों का अग्रणी निर्माता बनने की पूरी क्षमता है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण रक्षा उत्पादों के निर्माण में लागत को नियंत्रित करने के महत्व को भी रेखांकित किया।

# यूरोप की ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'ईटीसी' के लिए चुनौती है भारतीय 'कवच' : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि भारतीय रेलवे की ट्रेनों की सुरक्षा की स्वदेशी उपकरण 'कवच' को अब संचार की एलटीई (4-जी और 5-जी) आधारित किया जाएगा और 15 साल के भीतर पूरे रेल नेटवर्क को कवच युक्त कर दिया जाएगा। रेलवे ने जंगलों से निकलने वाली रेललाइनों पर हाथियों के कट कर मरने से बचाने के लिए एक नई तकनीक विकसित की है। रेल मंत्री वैष्णव ने आज यहां पत्रकारों से अनौपचारिक चर्चा में यह जानकारी दी और दावा किया कि यूरोप के रेल तकनीक विशेषज्ञों के अनुसार आधुनिक संचार तकनीक वाला कवच विश्व भर में रेलवे सुरक्षा के लिए मानक समझी जाने वाली यूरोप की तकनीक ईटीसीएस से कहीं अधिक सक्षम एवं उसके ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के बाज़ार में चुनौती साबित होगी।



वैष्णव ने तृणमूल कांग्रेस की नेता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस दावे का खंडन किया कि उनके रेल मंत्रित्व काल में स्वचालित रेल सुरक्षा प्रणाली एसीडी क्रियान्वित कर दी गयी थी। रेल मंत्री ने कहा कि सुश्री बनर्जी के कार्यकाल में कुछ इंजनों में एसीडी की तकनीक प्रायोगिक तौर पर लगायी गयी थी और उनके बाद रेल मंत्री बने उनकी पार्टी के दिनेश त्रिवेदी के कार्यकाल में एसीडी के परीक्षण के बाद उसे विफल घोषित किया गया था।

रेल मंत्री ने कहा कि वर्ष 2016 में लखनऊ के आरडीएसओ द्वारा विकसित ट्रेन सुरक्षा तकनीक 'कवच' को औपचारिक रूप से स्वीकृति प्रदान की थी और वर्ष 2019 तक कड़े परीक्षणों के बाद इसे देश भर में लगाने का फैसला किया गया। वर्ष 2020 में पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया और वर्ष 2022 की शुरुआत में इसका उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया गया।

# 81.35 करोड़ लोगों को पांच वर्ष तक नि:शुल्क अनाज को स्वीकृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/वार्ता।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.80 लाख करोड़ रुपए के प्रावधान से 81. 35 करोड़ लोगों को अगले पांच वर्ष तक निशुल्क अनाज देने की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इससे आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस योजना के विस्तार की घोषणा प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों की थी। मूल रूप से यह योजना कोविड काल में आरंभ की गयी थी। नये रूप में यह योजना अगले वर्ष एक जनवरी से आरंभ होगी।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है जो पीएमजीकेएवाई को दुनिया की सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजनाओं में रखता है। इसका उद्देश्य पांच वर्ष की अवधि में 11.80 लाख करोड़ रुपए के प्रावधान से 81.35 करोड़ व्यक्तियों के लिए भोजन और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

पीएमजीकेएवाई के अंतर्गत निशुल्क खाद्यान्न (चावल, गेहूं और मोटा अनाज एवं बाजरा) खाद्य सुरक्षा को मजबूत करेगा और आबादी के गरीब और कमजोर वर्गों को मदद देगा।

## बीसीसीआई ने द्रविड का कोचिंग कार्यकाल बढ़ाया

**मुम्बई/वार्ता।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ सहित सभी कोचिंग स्टाफ का कार्यकाल बढ़ा दिया है। बीसीसीआई की आज यहां जारी विज्ञप्ति में बताया गया, बीसीसीआई ने हाल ही में समाप्त हुए एकदिवसीय विश्वकप 2023 के उपरांत राहुल द्रविड़ के अनुबंध समाप्त होने के बाद उनके साथ सार्थक बातचीत की और सबकी सहमति से अनुबंधन को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया। इस अनुबंध को कितनी अवधि के लिए बढ़ाया गया यह स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन माना जा रहा है कि यह कम से कम जून 2024 टी-20 विश्वकप तक चलेगा। उन्होंने कहा, बोर्ड भारतीय टीम को ढालने में राहुल द्रविड़ की भूमिका को पहचानता है और उनकी असाधारण प्रतिभा की सरहाना करता है।

## मोदी ने देश में नई खेल संस्कृति को जन्म दिया : योगी

**अयोध्या/वार्ता।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9-10 वर्षों में देश के अंदर नई खेल संस्कृति को जन्म दिया है जिसका प्रमाण ओलंपिक और एशियाई गेम्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व है।

अयोध्या में पांच दिवसीय अंतरराष्ट्रीय एनटीपीसी सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन सत्र को संबोधित करते हुये योगी ने एक वीडियो संदेश में कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9-10 वर्षों में देश के अंदर नई खेल संस्कृति को जन्म दिया है। इसके परिणाम ओलंपिक और एशियाई गेम्स में हम सब को देखने को मिले। पहली बार एशियन गेम्स में भारत ने पदकों का शतक लगाया है। भारत को एशियाई खेलों में 107 पदक और पैरा एशियन गेम्स में 111 पदक प्राप्त हुए हैं। यह सब कुछ प्रधानमंत्री के विजन और दृढ़ संकल्प के कारण ही संभव हो पाया है।



उन्होने कहा यह मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि प्रभु राम की पावन धरा अयोध्या में भारतीय तीरंदाजी संघ और उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सीनियर तीरंदाजी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन संपन्न हुआ है। भारत के प्राचीन धरोहर तीरंदाजी को अन्य खेलों की तुलना में आगे बढ़ाने का प्रयास अत्यंत सराहनीय है। हमें जानकर प्रसन्नता है कि भारत में तीरंदाजी में तीन वर्ष से विकास हुआ है। तीरंदाजी खिलाड़ियों ने 185 अंतरराष्ट्रीय पदक प्राप्त किए हैं। इनमें से 85 स्वर्ण पदक हैं।

तीरंदाजी खेल में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर आ गया है। यह भारत के खेल इतिहास के लिए गौरव का क्षण है।

# पन्नू के मामले में जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/वार्ता।** भारत ने न्यूयॉर्क स्थित खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या के प्रयास को लेकर अमेरिका द्वारा दी गई जानकारी की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है और भारत सरकार उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने आज यहां मीडिया के एक सवाल के जवाब में कहा, हम पहले ही कह चुके हैं कि द्विपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर अमेरिका के साथ चर्चा के दौरान, अमेरिकी पक्ष ने



संगठित अपराधियों, बंदूक चलाने वालों, आतंकवादियों और अन्य लोगों के बीच सांठगांठ से संबंधित कुछ इनपुट साझा किए थे। उन्होंने कहा, हमने यह भी संकेत दिया था कि भारत ऐसे इनपुट को गंभीरता से लेता है क्योंकि वे हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर भी प्रभाव डालते हैं, और संबंधित विभाग पहले से ही इस मुद्दे की जांच कर रहे थे। इस संदर्भ में बताया गया है कि बीते 18 नवंबर को भारत सरकार ने मामले के सभी प्रासंगिक पहलुओं की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया था। बागची ने कहा, भारत सरकार उक्त जांच समिति के निष्कर्षों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश पर भारत के साथ जानकारी साझा की थी। फाइनेंशियल टाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिका ने सिख अलगाववादी नेता की हत्या के प्रयास को विफल कर दिया था और इस साजिश में भारत सरकार की कथित भागीदारी को लेकर 'राजनयिक चेतावनी' जारी की थी।

# हिन्दुओं की शक्ति किसी को डराने के लिए नहीं, विश्व कल्याण के लिए : मिलिंद परांडे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

बैंकॉक/वार्ता। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे ने वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस को विश्व भर में हिन्दू शक्ति के जागरण का प्रमाण बताते हुए कहा है कि हिन्दुओं की शक्ति किसी को भयभीत करने के लिए नहीं है बल्कि यह विश्व भर में मानवता के कल्याण के लिए है।

परांडे ने यहां वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस के आयोजन को लेकर यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि तीन दिनों के दौरान यह साफ दिख रहा है कि विश्व भर का हिन्दू जागृत और संगठित हो रहा है। लेकिन यह भी समझा जाना चाहिए कि हिन्दुओं की यह शक्ति किसी को डराने या प्रभाव स्थापित करने के लिए लिए नहीं बल्कि विश्व कल्याण और मानवता के कल्याण के लिए है।

परांडे ने कहा कि 61 देशों की प्रमुख हिन्दू शखसियतों ने अलग अलग विषयों पर संगठित हो कर सोचने और विश्व कल्याण की रूपरेखा बनाने के बारे में चर्चा की। सनातन का यश, ऐश्वर्य, वैभव कैसे बढ़े और इसके माध्यम



से मानवता का कैसे कल्याण हो, इस उद्देश्य से यह हिन्दू चिंतन किया गया है। अलग अलग ढंग से कार्य करने वाले हिन्दू व्यक्ति और संगठन, एक हो कर संपूर्ण हिन्दू समाज के उत्थान के लिए समन्वित प्रयत्न किस प्रकार से करें, वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस इसी का मंच है।

विहिप महामंत्री ने कहा कि यहां जिस वृद्धि, शक्ति, यश, विजय की बात की गयी है और उद्घाटन सत्र में भी जो कहा गया। उस बारे में वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि हमारी शक्ति किसी के विरोध में या किसी को पराजित करने के लिए नहीं है। यह सबके कल्याण के लिए है। अत: हिन्दू शक्ति से किसी को भयभीत होने की जरूरत नहीं है। लेकिन इसके साथ ही यह शक्ति इतनी बड़ी अवश्य होगी कि कोई हम पर टेढ़ी नज़र नहीं डाल पाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी शक्ति ऐसी होगी कि विश्व में जो भी कमजोर होगा, वह अपनी रक्षा एवं कल्याण के लिए हमारे पास आएगा। उन्होंने कहा कि हमारा विचार 'सक्षम का अस्तित्व रक्षण' यानी (सरवाइवल ऑफ दि फिटेस्ट) का नहीं है क्योंकि यह जंगल या प्रकृति का नियम हो सकता है। लेकिन हमारा विचार 'दुर्बल का अस्तित्व रक्षण' यानी (सरवाइवल ऑफ दि वीकेस्ट) का है जो हमारी संस्कृति है।

परांडे ने कहा, हम विकृति की दिशा में नहीं, संस्कृति और सद्कृति के मार्ग पर जा रहे हैं।

# एवेनफील्ड मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत  
dakshinbharat.com

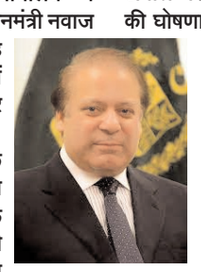

इस्लामाबाद/भाषा। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामले में बुधवार को बरी कर दिया।



शरीफ के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में उन्हें दोषमुक्त किये जाने को चुनौती देने संबंधी अपील राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने वापस ले ली जिससे इस मामले में भी उन्हें बरी किये जाने संबंधी फैसले को बरकरार रखा गया। मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की दो सदस्यीय पीठ ने एवेनफील्ड भ्रष्टाचार मामले में शरीफ (73) की सजा के खिलाफ उनके श्ररा दायर अपील पर सुनवाई के बाद फैसले की घोषणा की। इस मामले में उन्हें 2018 में 10 साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

उसी वर्ष पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख को फ्लैगशिप भ्रष्टाचार मामले में एक निचली अदालत ने बरी कर दिया था लेकिन भ्रष्टाचार रोधी निगरानी संस्था एनएबी ने इस फैसले को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

## सुविचार

**ज़िन्दगी सिक्के के दो पहलूओं की तरह है, कभी सुख तो कभी दुख, जब सुख हो तो घमंड मत करना, और जब दुख हो तो थोड़ा सब्र करना।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# जीत गई जिंदगी

उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में करीब 17 दिनों तक फंसे रहने के बाद 41 श्रमिकों का सकुशल बाहर निकल आना किसी चमत्कार से कम नहीं है। हादसे के बाद जैसे-जैसे दिन गुजरते जा रहे थे, अनिष्ट की आशंका सता रही थी, लेकिन सभी अवरोधों और आशंकाओं पर ज़िंदगी की जीत हुई, भारत की जीत हुई। दुनियाभर के मीडिया का ध्यान इस ओर था। श्रमिकों के परिवारों के साथ पूरा देश उनके सकुशल निकल आने के लिए प्रार्थना कर रहा था। इस संकट के समय बचाव में जुटे कर्मियों के बीच जो एकजुटता थी, उससे हारकर चट्टानों को भी रास्ता छोड़ना पड़ा। यही एकजुटता समस्त देशवासियों में हो तो बड़ी-बड़ी चुनौतियों का निवारण हो सकता है। विदेशी मीडिया का एक वर्ग इस ताक में था कि बचाव अभियान में कहीं कुछ गड़बड़ हो तो उसे भारत को आड़े हाथों लेने का मौका मिले, लेकिन ईश्वर की असीम कृपा रही। इन श्रमिकों के जीवन के लिए प्रधानमंत्री से लेकर गांव के किसान तक प्रार्थना कर रहे थे। जब कल्याण की भावना इतनी बलवती हो तो ईश्वर कृपा अवश्य करते हैं। किसी देश के लिए सड़कें, सुरंगें, पुल आदि विकास की गति को तेज करते हैं। प्राय: इनके उद्घाटन के अवसर पर नेतागण और अधिकारियों के नामों की तो चर्चा होती है, लेकिन श्रमिक एक तरह से गुमनाम ही होता है। उसके खून-पसीने के बिना यह काम संभव नहीं होता। इन कार्यों में कितना जोखिम होता है, यह हमने सिलक्यारा सुरंग मामले में देखा। इस घटना की विस्तृत जांच होनी चाहिए। हादसे के पीछे क्या कारण थे, श्रमिकों को निकालने में इतना समय कैसे लगा, भविष्य में ऐसे हादसों को कैसे टाला जाए? विशेषज्ञों को इन बिंदुओं पर शोध करना चाहिए। तकनीकी शिक्षा से जुड़े विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में इस पर चर्चा होनी चाहिए।

ऐसी विपत्ति में फंसने के बाद संबंधित लोगों के लिए अपना मनोबल मजबूत रखना जरूरी होता है। अगर संसाधनों का विवेकपूर्वक उपयोग करते हुए मनोबल मजबूत रखें तो विपत्ति हारती है और हौसला जीतता है। सुरंग से बाहर निकलने के बाद एक श्रमिक विशाल ने जो कहा, वह किसी कुशल वक्ता के प्रेरक भाषण से ज्यादा असरदार था। उन्होंने कहा, 'हमने उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ा था।' सच है, अगर मन में उम्मीद की लौ जलती रहे तो कोई भी अंधेरा हमें हरा नहीं सकता। ये श्रमिक अपने मनोबल की मजबूती के लिए योग भी करते थे। एक श्रमिक अनिल बेदिया का यह कहना कि उन्होंने हादसे के बाद अपनी प्यास बुझाने के लिए चट्टानों से टपकते पानी को चाटा और शुरुआती दस दिनों तक मुरमुरे खाकर जीवित रहे। इस अनुभव ने ऐसी मुश्किल परिस्थितियों में जीवन की रक्षा करने के लिए शोध का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। निस्संदेह योग तन और मन को स्वस्थ रखता है। क्या ऐसी परिस्थिति में मुरमुरे पर्याप्त पोषण के बेहतरीन स्रोत हो सकते हैं? क्या उनके साथ किसी और खाद्य पदार्थ का मिश्रण कर पोषण के स्तर को बढ़ाया जा सकता है? ऐसे अनुभव भविष्य में बहुत सहायक सिद्ध हो सकते हैं। याद करें, केदारनाथ में साल 2013 में आई आपदा के बाद कई लोग पहाड़ों में फंस गए थे। इसके अलावा दुनियाभर में हर साल भूकंप, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं में लोग फंस जाते हैं। भारतीय श्रमिकों के अनुभव से वे लोग कैसे लाभान्वित हो सकते हैं? इस पर आपदा राहत से जुड़े संगठन अध्ययन करें। प्राय: लोगों को अपने रोजमर्रा के कामकाज के बारे में तो जानकारी होती है, लेकिन आपदा में खुद को सुरक्षित रखने को लेकर कोई विचार या अनुभव नहीं होता है। जब कभी वैसी परिस्थिति आती है तो ज्यादातर लोग घबरा जाते हैं। चाहे भूकंप हो या भूस्खलन, अग्निकांड, बाढ़ या सुनसान जगह में फंस जाने की घटना, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को बचाव का प्रशिक्षण जरूर देना चाहिए।

## ट्वीटर टॉक

संयुक्त राष्ट्र संघ की शांति सेना के साथ कांगो के पक्ष में बेल्जियम के विरुद्ध बहादुरी पूर्वक लड़ते हुए प्राण न्यौछावर करने वाले परमवीर चक्र विजेता कैप्टन गुरबचन सिंह सालारिया जी की जयंती पर शत-शत नमन।

**-दिया कुमारी**

उत्तरकाशी स्थित टनल में फंसे समस्त 41 श्रमिकों को रेस्क्यू ऑपरेशन कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। राहत एवं बचाव के बेहतरीन प्रयास कर इन अनमोल जिंदगियों को बचाने वाली सभी केंद्रीय एजेंसियों, सेना, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपर्ट्स एवं प्रशासन की टीमों का आभार प्रकट करती हूं।

**-वसुंधरा राजे**

मैं स्वयं का घर बनाने के लिए प्रधानमंत्री नहीं बना। आज जब भगवान श्रीराम के आशीर्वाद से चार करोड़ गरीबों के घर बन रहे हैं। ऐसी ही लोककल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए आपके द्वार शीघ्र मोदी गारंटी की गाड़ी आएगी।

**-नरेन्द्र मोदी**

## प्रेरक प्रसंग

# आज में आस्था

सेल्फ स्टार्ट के आविष्कारक चार्ल्स एफ. केटरिंग को अपनी खोज को पूरा करने के लिए जमीन,जेवर और मकान बेचकर एक झोपड़ी में रहना पड़ा। एक दिन जब सफलता मिली, तो पत्रकारों ने उन्हें घेर लिया। एक इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा, 'आपने अनगिनत कठिनाइयों और परेशानियों का सामना किया। इसके पीछे क्या कारण है? आपको इतना धैर्य कहां से और कैसे मिला?' चार्ल्स एफ. केटरिंग उस पत्रकार को अपनी झोपड़ी में ले गए। वहां एक छोटी-सी मेज पर जो सबसे अनोखी चीज थी वह पत्थर का एक टुकड़ा था और उस पर लिखा था, 'आज।' 'इसे देखिए', पत्थर के उस टुकड़े की ओर इशारा करके केटरिंग बोले, 'यही मेरी सफलता का रहस्य है। मैंने 'आज' के महत्व को समझा और 'आज' में ही जिया। पत्थर के इस टुकड़े पर लिखा 'आज' ही मेरे विश्वास का प्रतीक है। इसे देखकर हर दिन मुझमें यह विश्वास जाग्रत हो जाता था कि 'आज' मैं अपने काम में सफल अवश्य हो जाऊंगा और इसी विश्वास ने मुझे सफलता दिलाई। न मैंने गुजरे कल के विषय में सोचा और न आने वाले कल के विषय में। मैंने केवल 'आज' के विषय में सोचा और आप देख ही रहे हैं कि 'आज' मैं सफल हूं।

## सामयिक

# फलौदी इरादों और आत्मविश्वास की जीत

**अशोक मधुप**

**मोबाइल : 9675899803**

दुनियां भर की दुआएं काम आ गईं। फौलादी इंसानी इरादों के आगे आखिर चट्टान हार गई। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को आखिरकार 17वें दिन बाहर निकाल लिया गया। उन्हें मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह दोनों लगातार सुरंग के पास डटे रहे। पीएमओ के प्रधान सचिव पीके मिश्र भी मौके पर मौजूद रहे। सबसे पहले पांच श्रमिकों को बाहर निकाला गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे घटनाक्रम पर नजर रखे थे।उन्होंने एक श्रमिक से खुद बात की।उत्तराखंड सरकार ने प्रत्येक श्रमिक को एकएक लाख रूपया देने की घोषणा की।ये आपरेशन प्रदेश और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयास से कामयाब हुआ।सरकार की 17 एजेंसी के अलावा विदेशी विशेषज्ञ भी इसमें लगे रहे। यह बहुत ही अच्छा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस तरह के प्रत्येक मामले में खुद रूचि लेने लगते हैं।इस मामले में भी ऐसा ही हुआ।आपरेशन के उपकरण लाने के लिए सेना के हरक्युलिस विमान का प्रयोग हुआ। अमेरिका की ड्रिल करने वाली आगर मशीन तक लाकर लगाई गई। इस मामले में ऐसा नही हुआ कि अकेले एक ही एजेंसी बचाव में जुटी रही हो। पूरे देश का तंत्र इसमें लगा था। इस अभियन में सभी सुरक्षा एजेंसी की एकजुटता भी सामने आई। अन्यथा अन्य जगह सबकी अपनी अपनी ढपली सबका अपनाअपना राग होता है।

यह पहला अभियान नही था। वर्ष 2010 में चिली में कॉपर-सोने की खदान में काम करने वाले 33 श्रमिकों को 69 दिनों के लंबे अंतराल के बाद खदान से सकुशल बाहर निकाला गया था। ये खदान में काम करते थे। खदान में रास्ता अचानक टूटा और सभी लोग 700 मीटर नीचे फंस गए। गत13 नवंबर 1989 को पश्चिम बंगाल के रानीगंज की महाबीर खदान में 71 मजदूर अपना काम करते खदान में बाढ़ आने से फंस गए थे। इनमें से छह की डूबने से मौत हो गई। सुरंग के बराबर दूसरी सुरंग खोदकर 65 मजदूरों को बचाया जा सका था। 23 जून 2018 को थाईलैंड में 12 बच्चे यहां एक लंबी गुफा में फंस गए थे। थाईलैंड सरकार ने विदेशों से मदद मांगी।100 तैराक दुनिया भर से बुलाए गए। 18 दिन बाद ये बच्चे सकुशल निकल आए।

उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग घटना के बाद से मीडिया में आ रहा है कि हिमालय में सुरंग नही बननी चाहिए। इससे पहाड़ दरक रहे हैं। बड़े हादसे हो सकते हैं। जबकि विकास कार्य करते इस तरह का हादसा होता है। ऐसी बात होती हैं। ये भारत में नही पूरी दुनिया में होता है।हादसे होते हैं। होते रहेंगे किंतु इससे विकास का पहिया तो नहीं रोका जा सकता। सड़कें बनाना तो नहीं रूक सकता। ये सड़क चारधाम यात्रा को सुगम बनाने के साथ देश को सीमा से जोड़ने के लिए बनाई जा रही है। बार्डर तक सेना और उसके भारी उपकरणों की सरल आवाजाही के लिए बनाई जा रही है। ये तो देश की बडी जरूरत है।

पहाड़ों पर जब भी विकास होता है तभी कुछ अपने को विशेषज्ञ मानने वाले और पर्यावरणविद शोर मचाने लगते हैं। इनका यही कहना रहता है कि इससे पहाड़ दरकेंगे। वहां का पर्यावरण संतुलन बिगड़ेगा। टिहरी डैम बनते भी ऐसा ही हुआ था। उसके विरोध में लंबा आंदोलन चला था। इस परियोजना के विरोध में तो पर्यावरणाविद सुंदरलाल बहुगुणा ने तो 1995 में 45 दिन तक उपवास किया। इन सबके बावजूद टिहरी डैम बन गया। केदारनाथ आपदा के समय पहाड़ों से आए भारी जल को इसी डैम में लिया गया। इसी के कारण प्लेन में होने वाली भारी आपदा टल गई। अगर पानी टिहरी डैम में न लिया जाता तो नीचे प्लेन में भारी तबाही का सामना करना पड़ता।

पहाड़ों में विकास कार्य के दौरान ही हादसे नही होते। हादसे सभी जगह होते हैं। कहीं बनते पुल गिर जाते हैं तो कही कार्य में लगी विशाल क्रेन श्रमिकों पर आ गिरती है। अभी 23 अगस्त को मिजोरम के सैरांग इलाके के पास एक निर्माणाधीन रेलवे पुल गिरने से 17 मजदूरों की मौत हो गई। 18 मई 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में वाराणसी कैंट से लहरतारा के बीच बन रहे पुल के गिरने से 18 श्रमिक मरे। गत 31 मार्च 2016 को कोलकत्ता का विवेकानन्द फ्लाईओवर गिरने से क्रॉसिंग से गुजर रहे 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

हादसे होते हैं, होते रहेंगे। इनकी वजह से विकास कार्य नहीं रोके जा सकते। हादसे होने का कारण श्रमिकों और यात्रियों की सुरक्षा में बरती गई लापरवाही होता है।इसमें भी ऐसा ही हुआ। सुरक्षा मानकों के परीक्षण के लिए बनी एजेंसी सही से जांच और कार्य नही करती। इन्हीं के कारण हादसे जन्म लेते हैं। इस हादसे में भी ऐसा ही हुआ। बताया जाता है कि इस सुरंग के बराबर में एक और सुरंग बननी थी। दोनों सुरंगों को बीच-बीच में आपस में जोड़ा जाना था। सुरंग निर्माता कंपनी और निर्माण के मानकों की जांच में लगी एजेंसियों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उनके विरूद्ध कठोर तक कार्रवाई हो।

एक बात और इस बचाव में रैट-होल खनिकों का भी बड़ा यागदान रहा। जबकि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनडीएमए) ने रैट-होल खनन पर रोक लगाई हुई है। अच्छा यह है कि रोक के बावजूद देश की पुरानी परंपरागत ये तकनीक अभी जिंदा है। ये महाभारतकालीन तकनीक है।इसी तकनीक से विदुर ने लाक्षागृह में सुरंग बनवाकर पांडवों को सुरक्षित निकलवा लिया था।ये ही तकनीक हादसे के शिकार श्रमिकों को बाहर निकालने में कामयाब हुई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के रोक के बावजूद इस तकनीक को जिंदा रखने के प्रयास होने चाहिए। जहां तक सुरंग के निर्माण की बात है। श्रमिकों के बचाने के अभियान में यह साफ हो गया कि यहां सामग्री अच्छी क्वालिटी की थी। इसी कारण अमेरिका की आगर मशीन भी गिरे मलबें में फंसे सुरंग के सरियों के आगे विवश हो गई।

इंसान कठिन से कठिन चुनौती को स्वीकार करने का शुरू से आदि है। आदिम अवस्था से आज तक उसकी यही जद्दोजहद उसे जिंदा रखे हुए है। इसी की बदौलत वह चांद पर पहुंचा तो कभी उसने माउंट एवरेस्ट का फतह किया। प्रकृति और इंसान का ये संघर्ष अनवरत चलने वाली प्रकिया है। कभी ये चुनौती हैजे के रूप में सामने आती है तो कभी कोरोना के। इनसे हारकर तो नहीं बैठा जा सकता। जलप्रलय, भूकंप से डरकर निकलना ही जिजिविषा है। यही इस मामले में सामने आई। इस हादसे में फंसे श्रमिकों के बचाव से भारत की शाख दुनिया में बढ़ी है। पूरी दुनिया के चैनल और मीडिया इस बचाव कार्य को कवर कर रहा था। इन सबने इस बचाव में भारत की बचाव एजेंसियों की एकजुटता देखी और प्रशंसा की।

## चिंतन

# लोकतंत्र के मंदिर में दागियों की सियासत

**बाल मुकुन्द ओझा**

चुनाव आते हैं तो राजनीति और अपराध जगत का संबंध भी सुर्खियों में आ जाता है। अपराधियों को नेताओं का समर्थन हो या नेताओं की अपराधियों को कानून के शिकंजे से बचाने की कोशिश, आखिर राजनैतिक दलों पर अपराधियों का ये कैसा असर है। भारतीय लोकतंत्र में अपराधी इतने महत्वपूर्ण हो गए हैं कि कोई भी राजनीतिक दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर पा रहा। हालात यहाँ तक पहुँच गए है कि पार्टियाँ उन्हें नहीं चुनती बल्कि वे चुनते हैं कि उन्हें किस पार्टी से लड़ना है। उनके इसी बल को देखकर उन्हें बाहुबली का नाम मिला है। कभी राजनीतिज्ञ अपराधियों का अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करते थे अब अपराधियों ने दूसरे को लाभ पहुँचाने के बदले खुद ही कमान संभाल ली है।

हम बात कर रहे है राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों की। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में विभिन्न राजनैतिक दलों द्वारा आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवारों को अपनी टिकट देकर चुनाव मैदान में उतारने को लेकर देश में एक बार फिर सियासी बहस छिड़ गयी है। चुनाव परिणामों से पूर्व मंगलवार को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार, पांचों राज्यों में चुनाव लड़ने वाले करीब 18 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। एडीआर ने मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में चुनाव मैदान में 8,054 उम्मीदवारों में से 8,051 के हलफनामों (स्व-घोषित शपथ पत्र) की जांच की। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,452 उम्मीदवारों (18 प्रतिशत ) के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जबकि 959 (12 प्रतिशत) के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 22 उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ हत्या से संबंधित मामले घोषित किए हैं। 82 ने हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित किए हैं। 107 ने महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले घोषित किए हैं।

इनमें राजस्थान में 326, मध्य प्रदेश में 472, छत्तीसगढ़ में 126, तेलंगाना में 529 और मिजोरम में 7 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज है। दागियों पर सभी पार्टियों ने अपना विश्वास व्यक्त किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं किया गया है। राजनीतिक दलों ने फिर से दागी को टिकट देने की अपनी पुरानी परंपरा का पालन किया है।

राजनीति में शुचिता को लेकर ऊपरी तौर पर सभी सियासी दल सहमत है मगर व्यवहार में उनकी कथनी और करनी में भारी अंतर है। लगभग सभी दल चुनाव जीतने के लिए ऐसे उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारते है जो बाहुबली होने के साथ आपराधिक आचरण वाले हैं। नेताओं के खिलाफ अदालती मुकदमें कोई नयी बात नहीं है। आजादी के बाद से ही नेताओं को विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दो दशकों में ऐसे मामलों में यकायक ही तेजी आयी। दर्ज मुकदमों में हत्या, हत्या के प्रयास, सरकारी धन का दुरूपयोग, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे गंभीर प्रकृति के मुकदमें भी शामिल है। कई नामचीन नेता आज भी जेलों में बंद होकर सजा भुगत रहे है और अनेक नेता जमानत पर बाहर आकर मुकदमों का सामना कर रहे है। वर्षों से इन मुकदमों का फैसला नहीं होने से हमारी लोकतान्त्रिक प्रणाली पर सवाल उठते रहे है। लम्बे मुकदमें चलने से सबूत मिलने में काफी परेशानी होती है और अंततोगत्वा आरोपी बरी हो जाते है। सुप्रीम अदालत यदि ऐसे मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के लिए कोई सख्त कदम उठाये तो पीड़ितों को न्याय मिल पायेगा।

## मुद्दा

# राम मंदिर बनेगा लोकसभा का सबसे बड़ा मुद्दा

**अशोक भाटिया**

**मोबाइल : 9221232130**

मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम के विधानसभा चुनाव को 2024 का सेमीफाइनल माना जा रहा है। हिंदीपट्टी वाले तीन राज्यों में बीजेपी बनाम कांग्रेस की सीधी लड़ाई है, तो तेलंगाना में त्रिकोणीय और मिजोरम में दो क्षत्रपों के बीच मुकाबला है। ऐसे पांच राज्यों के चुनाव में जीत-हार के नतीजों को अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है । 2014 और 2019 की जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी 2024 में एक बार फिर लोकसभा चुनाव जीतकर सत्ता की हैट्रिक लगाना चाहते हैं। इसका सारा दारोमदार पांच राज्यों के चुनाव के चुनाव के रिजल्ट पर टिका है, क्योंकि इसके नतीजे कहीं न कहीं 2024 के नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव में भी राम मंदिर एक बड़ा मुद्दा रहा और आगामी यानी 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राम मंदिर बड़ा मुद्दा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है के 2019 के लोकसभा चुनाव में बात हो रही थी भव्य राम मंदिर के निर्माण की, लेकिन 2024 में बात होगी रामलला के लंबे इंतजार के खत्म होने और स्थाई मंदिर में विराजमान होने की। राम नगरी अयोध्या में एक तरफ जहां भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है तो वहीं दूसरी ओर रामनगरी को सजाने संवारने और आध्यात्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने का काम भी दिन रात किया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राम मंदिर का मुद्दा बहुत तेज़ी से तूल पकड़ रहा है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अपने अंतिम चरण में है। 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम लला की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। इसको लेकर अभी से तैयारी शुरू हो गई है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत भी पूजन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी, राज्यपाल प्रोटोकाल शिष्टाचार के तहत प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होंगे। एक लंबे इंतजार के बाद आखिरकार राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की तारीख तय हो गई है, दिन भी निश्चित है। राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से चार प्रतिनिधि मंडलों के दल ने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात कर उनको आमंत्रित भी कर दिया है। श्रीराम मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के लिये निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- धन्य महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि वह खुद को धन्य महसूस कर रहे हैं और यह उनका सौभाग्य है कि वह अपने जीवनकाल में, इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रण पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने चुटकी लेते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रित करने की कोई जरूरत नहीं हैं। वो खुद इतने बड़े कार्यक्रम से दूर नहीं रह सकते। यह शब्द राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने विपक्षी नेताओं की टिप्पणियों की आलोचना करते हुए कहा कि भगवान राम का विरोध करने वाले सड़कों पर घूम रहे हैं और ऐसा करना जारी भी रखेंगे।

ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम लला मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह के लिए औपचारिक निमंत्रण मिलने के बाद, विपक्षी नेताओं ने सवाल उठाया कि क्या यह लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सिर्फ एक पार्टी का कार्यक्रम बन जाएगा। संजय राउत को सिर्फ चुनाव दिखता है लेकिन प्रतिष्ठा समारोह आस्था और श्रद्धा का विषय है।आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा कि लोग अपनी मानसिकता के अनुसार बात करते हैं, संजय राउत को सिर्फ चुनाव दिखता है। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा आस्था का, विश्वास का, भक्ति का विषय है और इसके लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया गया है। इससे पहले भी उन्होंने भूमिपूजन किया था। अब जब मंदिर लगभग बन चुका है और इसकी प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी (2024) को होगी, तो प्रधानमंत्री को आमंत्रित किया गया है और उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। यह बलिदानों के बारे में नहीं है, यह भक्ति और विश्वास के बारे में है। दास ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को भगवान राम का आशीर्वाद है इसलिए वह सत्ता में हैं लेकिन जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व को नकार दिया वे सड़कों पर घूम रहे हैं और आगे भी घूमते रहेंगे।

इन सब बातों से बेखबर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स/ट्विटर पर पोस्ट कर राष्ट्र को उस क्षण के बारे में जानकारी दी, जिसकी प्रतीक्षा वह करीब 500 साल से कर रहा है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बताया है कि श्री राम जन्मभूमि मंदिर में भगवान श्री रामलला सरकार के श्री विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। गौरतलब है कि आज हम रामजन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर को आकार लेते देख रहे हैं, प्राण-प्रतिष्ठा का दिनांक सुनिश्चित हो गया है। लेकिन यह यात्रा उतनी भी सहज नहीं रही है जितनी आज दिखती है। यह संघर्ष 1528 से ही शुरू हो गया था जब इस्लामी आक्रांता बाबर के सेनापति मीर बाकी ने अयोध्या में भगवान राम के जन्मस्थान पर मस्जिद का निर्माण करवाया। 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि पूरी जमीन रामलला की है और मंदिर वहीं बनेगा।

राम मंदिर के लिए बलिदानों में तमाम हिंदुत्ववादी संगठन और पार्टियां शामिल थीं। लाखों राम कारसेवकों के अलावा शिवसेना, बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद वहां थे। लालकृष्ण आडवाणी ने रथयात्रा निकाली थी। इन सबका नतीजा है कि राम मंदिर बन रहा है।और विरोधी दल को इसमें राजनीति दिख रही है। आचार्य सत्येन्द्र दास ने आगे मोदीजी के बारे में कहा कि जहां तक राजनीति और चुनाव का सवाल है, वो आएंगे और जाएंगे लेकिन सबी राजनीतिक दलों को यह समझना चाहिए कि भगवान राम का मोदीजी को आशीर्वाद प्राप्त है। इसलिए वो सत्ता में हैं और ऐसा करना वो जारी रखेंगे। जो लोग भगवान राम का विरोध करते हैं वे सड़कों पर घूम रहे हैं और ऐसा करना जारी भी रखेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## सिद्दरामैया ने किया बेंगलूरु टेक सम्मिट-2023 का उद्घाटन

# 'तकनीक का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी विभाग और सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित बेंगलूरु टेक समिट के 26वें संस्करण का उद्घाटन बुधवार को बेंगलूरु पैलेस में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने किया। इस साल की थीम 'ब्रेकिंग बाउंड्रीज़' है, जिसके तहत 30 से अधिक देशों के तकनीकी नेताओं, स्टार्टअप, निवेशकों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं के लिए मंच तैयार है।

उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एनएस बोसराजू उपस्थित थे। समारोह में मुख्य सचिव वंदिता शर्मा, सरकार के सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, बीटी और एस एंड टी विभाग डॉ. एकरूप कौर, निदेशक, एसटीपीआई-बेंगलूरु शैलेन्द्र त्यागी, किट्स के प्रबंध निदेशक दर्शन एचवी सहित गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन समारोह में प्रतिष्ठित अतिथियों में कजाकिस्तान के डिजिटल विकास, नवाचार और एयरोस्पेस उद्योग मंत्री बगदत मुसिन, एएमडी के ईवीपी और सीटीओ मार्क पेपरमास्टर भी मौजूद थे। फ़िनलैंड की विज्ञान और संस्कृति मंत्री सारी मुल्ताला और जर्मनी के डिजिटल मामले और परिवहन मंत्री वोल्कर विसिंग ने रिकॉर्डेड संदेश दिया।

कार्यक्रम को भारतीय उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों रिशद प्रेमजी, डॉ. किरण मजूमदार-शॉ, क्रिस गोपालकृष्णन, प्रशांत प्रकाश, निवृत्ति राय, बीवी नायडू, अरविंद कुमार की उपस्थिति ने भव्य बनाया।

### तकनीकी नवाचार में महत्त्वपूर्ण भूमिका

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा, 'तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने में कर्नाटक की महत्त्वपूर्ण भूमिका को लेकर संबोधित करते हुए मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। 5,500 से अधिक आईटी/आईटीईएस कंपनियों और 750 बहुराष्ट्रीय निगमों वाला हमारा राज्य, देश के निर्यात में लगभग 85 बिलियन डॉलर का योगदान देता है।'

उन्होंने कहा कि वैश्विक क्षमता केंद्रों के लिए कर्नाटक पसंदीदा स्थान है, जो भारत में 40 प्रतिशत जीसीसी की मेजबानी करता है। हमने आईटी, जैव प्रौद्योगिकी और स्टार्टअप में क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों का बीड़ा उठाया है। बेंगलूरु टेक समिट में, हम अपने प्रगतिशील दृष्टिकोण को प्रदर्शित करते हुए संशोधित बायोटेक नीति का अनावरण करेंगे और एवीजीसी-एक्सआर नीति लॉन्च करेंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य शासन में सूचित निर्णय लेने के लिए डेटा और एनालिटिक्स की शक्ति का उपयोग करना है। बियॉन्ड बेंगलूरु उस दिशा में एक अनूठी पहल है, जिसका प्राथमिक ध्यान बेंगलूरु से परे के क्षेत्रों में पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने तथा बढ़ाने और डिजिटल विभाजन को पाटने पर है। उन्होंने कहा, हमारी सरकार एक निर्बाध पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर केंद्रित है, जो निवेश, प्रतिभा और अवसरों को आकर्षित करती है। हम चाहते हैं कि कर्नाटक को नवाचार और बढ़ते व्यवसायों के लिए एंड-टू-एंड इकोसिस्टम वाले केंद्र के रूप में देखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल विभाजन एक वास्तविकता है, जिसकी ओर हमें ध्यान देना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीक का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे, चाहे उसकी पृष्ठभूमि कुछ भी हो। प्रियांक खरगे ने कहा, 'ब्रेकिंग बाउंड्रीज़' थीम के साथ हमारा उद्देश्य वैश्विक तकनीकी समुदायों को प्रेरित करना, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना है। दुनिया के चौथे सबसे बड़े तकनीकी क्लस्टर के रूप में कर्नाटक का विकास, एक बीपीओ हब से अनुसंधान एवं विकास और नवाचार उपकेंद्र में परिवर्तित होना उल्लेखनीय है। भारत के सबसे नवोन्वेषी राज्य होने से लेकर भारत विनिर्माण नवप्रवर्तन सूचकांक में अग्रणी होने तक, हम अपनी उपलब्धियों पर गर्व करते हैं।

# कर्नाटक सरकार ने 3,607.19 करोड़ के 62 औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य स्तरीय एकल खिड़की मंजूरी समिति (एसएलएसडब्ल्यूसीसी) ने मंगलवार को कर्नाटक में 10,755 रोजगार सृजन की क्षमता वाले 3,607.19 करोड़ रुपए के 62 औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी।

उद्योग मंत्री एमबी पाटिल की अध्यक्षता वाली समिति ने 50 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिसमें कुल 2,088.44 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। इसमें 6,360 नौकरियां पैदा करने की क्षमता है।

कुछ शीर्ष निवेशकों में टेक्सकॉन स्टील्स, हुंड्री शुगर्स और इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड, ब्रेन लाइफ साइंसेज, अल्पाइन इथेनॉल, विरुपाक्ष लेबोरेटरीज और क्वालकॉम इंडिया शामिल हैं। कुल 62 प्रस्तावों में से, लगभग 51 निवेश परियोजनाएं 15 करोड़ रुपए से 50 करोड़ रुपए के बीच हैं, जिनकी कुल कीमत 941.40 करोड़ रुपए है, जो कर्नाटक के भीतर 4,395 रोजगार सृजन की क्षमता का वादा करती हैं। समिति द्वारा 577.35 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश वाली तीन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई।

रायचूर चिले में टेक्सकॉन स्टील्स लिमिटेड लगभग 480 करोड़ रुपए का निवेश कर 200 से अधिक रोजगार प्रत्यक्ष रुप में और अप्रत्यक्ष रुप में अनेक रोजगार उत्पन्न करेगी। हुंड्री शुगर्स एंड इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड धारवाड़ जिले में 476.54 करोड़ रुपए निवेश कर 300 लोगों को रोजगार देगी। ब्रेन लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड बेंगलूरु शहर में 230.56 करोड़ रुपए का निवेश कर संयंत्र स्थापित कर लगभग 1750 लोगों को रोजगार देगी। अल्पाइन इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड राज्य के गदग जिले में 229.19 करोड़ रुपए की लागत से संयंत्र लगाकर 107 से अधिक लोगों को रोजगार देगी। यादगीर जिले में विरुपाक्ष लेबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड 212.55 करोड़ रुपए की लागत से संयंत्र लगाकर 790 लोगों को रोजगार उत्पन्न करेगी। बेंगलूरु के व्हाटफील्ड में क्वालकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड 175 करोड़ रुपए लगाकर 1553 रोजगार का सृजन करेगी। चामराजनगर में एलआरबी वुड इंडस्ट्री (इंडिया) 102.50 करोड़ रुपए की लागत से संयंत्र लगाकर 160 रोजगार का निर्माण करेगी। बेंगलूरु शहरी क्षेत्र में माथा इंडस्ट्रीज 102.1 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 1500 रोजगार का अवसर प्रदान करेगा।

# एनआईए ने मंगलूरु विस्फोट मामले में दो के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल नवंबर में कर्नाटक के मेंगलूरु में हुए इस्लामिक स्टेट (आईएस) प्रायोजित प्रेशर कुकर विस्फोट मामले में दो आरोपियों के खिलाफ बुधवार को आरोपपत्र दायर किया। एनआईए ने विस्फोट के मामले में इस साल जुलाई में शारिक और सह-आरोपी सैयद शारिक को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने आज गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चलाते हुए आरोपपत्र दाखिल किया।

एनआईए की जांच के मुताबिक शारिक और सैयद ने एक ऑनलाइन हैंडलर के साथ मिलकर खलीफा (शरिया कानून) स्थापित करने की साजिश के तहत विस्फोट की योजना बनाई थी।

साजिश के तहत शारिक ने प्रेशर कुकर आईईडी तैयार किया था और सैयद यासीन ने विस्फोटक के लिए सामग्री उपलब्ध करायी थी।

इस मामले गिरफ्तार किए गए 10 लोगों में से शारिक और सैयद यासीन सहित नौ पर 30 जून 2023 को भोले-भाले मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उनकी भर्ती करने, धन जुटाने और आईएस की भारत विरोधी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए विस्फोट कराने के आरोप में आरोप पत्र दायर किया गया था।

उल्लेखनीय है कि 19 नवंबर, 2022 को आरोपियों में से एक मोहम्मद शारिक हिंदू समुदाय के बीच आतंक का खौफ पैदा करने की मंशा से एक ऑटोरिक्शा में प्रेशर कुकर आईईडी ले जा रहा था उसने मंगलुरु के कादरी मंजूनाथ मंदिर में आईईडी लगाने की योजना बनाई थी, लेकिन रास्ते में यह कम तीव्रता वाला बम दुर्घटनावश फट गया। जिसके बाद इस मामले को पिछले साल 22 नवंबर को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया था।

# ग्रामीण स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए अपने सीएसआर फंड का निवेश करें : डी के शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने प्रौद्योगिकी कंपनियों से कर्नाटक में ग्रामीण स्कूलों के विकास के लिए अपने सीएसआर फंड का निवेश करने का आह्वान किया। बेंगलूरु टेक समिट में बोलते हुए उन्होंने कहा मैंने विप्रो के ऋषद प्रेमजी समेत कई लोगों से चर्चा की है और उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए 2000 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है।

राज्य सरकार नयी शिक्षा व्यवस्था लागू करने का प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि अगर ग्रामीण स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार किया जाता है, तो कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों के छात्र वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होंगे। उन्होंने राज्य के खजाने में योगदान के लिए सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी कंपनियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में हजारों कंपनियां कर चुका रही हैं और इससे हमारी सरकार के वित्त को बढ़ाने में मदद मिलती है।

उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक में समृद्ध मानव संसाधन है और यह बहुत शांतिपूर्ण है, मैं आपको इसकी गारंटी दे सकता हूं। आपको हमें यह बताना होगा कि आपको और क्या चाहिए ताकि हम उसे पूरा कर सकें। हमें इसमें मिलकर काम करना होगा। उन्होंने बेंगलूरु टेक समिट के आयोजन में योगदान के लिए आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खरगे की सराहना की।

## आईटी दिग्गज मोहनदास की टिप्पणी पर कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने आपत्ति जतायी

बेंगलूरु। बेंगलूरु के स्थान पर हैदराबाद के आईटी शहर बनने की क्षमता के बारे में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र की दिग्गज हस्ती टी वी मोहनदास पई की टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि राज्य विरोधी बातें करना कुछ लोगों की आदत हो गई है। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी एवं जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने बुधवार को कहा कि कर्नाटक सरकार से बातचीत करने वाली एक भी कंपनी ने राज्य नहीं छोड़ा है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को टैग करते हुए पई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, क्या हैदराबाद बेंगलूरु का आईटी दर्जा खत्म कर देगा? पिछले 10 वर्षों से बेंगलूरु की लगातार सरकारों द्वारा उपेक्षा के कारण यह हुआ है। उम्मीद है कि सरकार नगर को बेहतर बनाने के लिए अधिक ताकत लगाएगी।

# चीन निमोनिया से सावधान रहें : दिनेश गुंडूराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चीन में सामने आई निमोनिया महामारी से सावधान रहें, लेकिन चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव ने बुधवार को कहा। बीमारी को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्र सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग को राज्य में जरूरी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिये गये है।

### कोई संक्रमण नहीं मिला

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अभी तक कर्नाटक के किसी भी हिस्से में ऐसा कोई संक्रमण नहीं पाया गया है। हालांकि, हमने राज्य के सभी अस्पतालों में अलग से तैयारी करने का आदेश दिया है। चीन संक्रमण और भ्रूणहत्या को लेकर विभागीय अधिकारियों के साथ लंबी चर्चा के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि निमोनिया के कुछ संदिग्ध मामले सामने आए हैं और उनकी जांच की जा रही है। केंद्र के दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों और

कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से मास्क पहनना चाहिए। जिस किसी को भी तेज बुखार हो उसे तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए और विभिन्न परीक्षण कराने चाहिए, यह सर्दी आमतौर पर पांच दिनों तक रहती है। बच्चों और बुजुर्गों को सावधान रहना चाहिए। साथ ही अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों को भी सावधान रहने की सलाह दी जाती है। खांसते और छींकते समय अपने मुंह और नाक को रुमाल से ढकें, सार्वजनिक स्थानों पर मास्क पहनना एक अच्छा विचार है। साथ ही अपने हाथों को बार-बार साबुन से धोएं।

### सावधानी बरतें

अधिकारी प्रतिदिन निगरानी करेंगे और संक्रमण को लेकर एहतियाती कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा, 'इन सबके बावजूद आइए संक्रमण के प्रति सचेत रहें, लेकिन चिंता न करें।' इसी मौके पर उन्होंने कहा कि मंड्या-मैसूर में मिले भ्रूणहत्या के मामले के मद्देनजर हमने सुझाव दिया है कि स्वास्थ्य और पुलिस विभाग संयुक्त निगरानी रखें। अब से राज्य के अस्पतालों में स्कैनिंग मशीनों की नियमित जांच की जाये। अधिकारियों को गर्भपात जैसे मामलों पर नजर रखने का आदेश दिया गया है।

### प्रत्येक माह जिला स्तरीय बैठक

प्रत्येक माह जिला स्तरीय बैठकें आयोजित की जाएं। दिनेश गुंडूराव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के आयुक्त तीन माह में एक बार बैठक कर इस पर नजर रखें और स्पष्ट किया कि छह माह में स्वास्थ्य मंत्री स्वयं बैठक कर समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या का जो मामला सामने आया है, उसकी गहन जांच कराई जाएगी और कार्रवाई की जाएगी, साथ ही उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि यह संभव है कि भ्रूण हत्या के ऐसे मामले सिर्फ मंड्या और मैसूर में ही नहीं हुए हैं। राज्य के सभी हिस्सों में हैं। ऐसे में पूरे मामले को गंभीरता से लिया गया है और ऐसा दोबारा न हो इसके लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को राज्य में सामने आए कन्या भ्रूण हत्या के मामलों पर चर्चा करने और निवारक उपाय शुरू करने के लिए आवश्यक जानकारी के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव, आयुक्त, परियोजना निदेशक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। हाल ही में बेंगलूरु में सामने आए भ्रूणहत्या घोटाले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी अब तक तीन हजार कन्या भ्रूणों का गर्भपात करा चुका है।

भ्रूणहत्या का मामला सामने आया है और हमारी आंखें खोल दी हैं। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है और सुझाव दिया है कि इसे रोकने के लिए सख्त नोटिस जारी किया जाए। नियंत्रण न करने पर संबंधित शक्तियों पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गयी है। यह नेटवर्क पूरे राज्य में फैले होने की संभावना है। प्रदेश में लिंगानुपात पर नजर डालें तो बेटियों की संख्या कम हो रही है। उन्होंने कहा कि मौजूदा मामले को देखते हुए भ्रूणहत्या लिंगानुपात में असमानता का मुख्य कारण है।

# बिजली गिरने से दो भाइयों की मौत

शिवमोग्गा। शिवमोग्गा जिले में बिजली गिरने से बुधवार को दो भाइयों की मौत हो गई। यह घटना भद्रावती शहर के हुनसाकट्टे जंक्शन पर हुई। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय बीरू और 30 वर्षीय सुरेश के रूप में हुई है। दोनों अपने धान के खेत में कटाई के लिए तैयार फसल की रखवाली करने गए थे। इस दौरान बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। शवों को भद्रावती सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है।

# काम का झांसा देकर पैसे ऐंठने वाला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोगों को अच्छी सेलरी का काम का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार पवन कुमार नामक एक व्यक्ति काम ढूंढने वाले लोगों को खासकर आन्ध्रप्रदेश मूल के युवाओं को चिन्हित करने उन्हें अच्छे काम का झांसा दिलवाता था। उसने अपनी सेमक टेक्नोलॉजी और मोन्टी कार्कस नामक कम्पनी बनाकर टेक पार्क में ऑफिस बना रखा था।

अपने पहचान वालों के साथ युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता था और अच्छी नौकरी का ऑफर देता था। वह मुख्यत: आन्ध्रप्रदेश के रहने वाले युवाओं को इसका शिकार बनाता। वह 5 लाख रुपए सलाना की नौकरी ऑफर करता था। जिसके लिए वह 1 से लेकर 2 लाख रुपए तक उम्मीदवार से लेता था। शुरु में अपनी कम्पनी में काम देता था और उम्मीदवार को एक सेकेन्ड हैंड लैपटॉप भी देता था। सेल्स आदि का काम वह करवाता था। बाद में वर्क फार्म होम देकर घर भेज देता था। इधर कम्पनी का ऑफिस खाली कर बंद कर देता था। एक-दो महीने की सेलरी उसने कई लोगों को दी। लेकिन बाद में जब युवाओं की शिकायतें पुलिस को आई तो पुलिस एक्शन में आई। हजारों लोगों को चूना लगाने के बाद पवन कुमार कम्पनी को बंद कर दिल्ली जाकर बैठ गया। व्हीटफील्ड पुलिस को मिली शिकायत पर और पैसे खो चुके कई युवाओं ने मिलकर एक योजना के तहत पवन कुमार को बेंगलूरु बुलाया। उन्होंने पवन कुमार को ऑफर दिया कि 30 लोग जॉब के लिए तैयार हैं वह कैश लेकर आए हैं अगर वह काम दिलवा दें तो अच्छा होगा। पवन कुमार बेंगलूरु आया और यहां एक होटल में युवाओं को बुलाया तब पुलिस ने वहां उसे गिरफ्तार किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे G2C
ई-निविदा सूचना सं: 39/2023, दिनांक: 24.11.2023
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:
संक्षेप विवरण: 5 टन की क्षमता वाली फोर्क लिफ्ट का आपूर्ति और कमीशनिंग कार्य।
(मात्रा: 02 नं) निविदा सं: L8236370
निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 18.12.2023, 10.30 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय सामग्री प्रबंधक बेंगलूरु
PUB/528/AAD/PRB/SWR/2023-24
South Western Railway - SWR @SWRRLY SWRRLY

हडको लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
क्षेत्रीय कार्यालय - बेंगलूरु
फ़ोन : 080-25550811, 25587010
ईमेल : hudcobro@gmail.com
पुनः निविदा अधिसूचना
हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हुडको), भारत सरकार का उद्यम, बेंगलूरु-42 में मणिपाल सेंटर में अपने कार्यालय में नवीनीकरण कार्य करने के लिए योग्य / प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से निविदा आमंत्रित करता है।
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.hudco.org पर जाएं।
फोन नं. 080-25550811/ 25587010.
निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 19.12.2023 है।
वेबसाइट पर जाएं : www.hudco.org और www.eprocure.gov.in देखें।

# सीबीआई ने रिश्वत के आरोप में सेंसर बोर्ड के अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, बेंगलुरु के एक क्षेत्रीय अधिकारी और दो व्यक्तियों को एक फिल्म निर्माता से उनकी फिल्म के उपशीर्षक से संबंधित मुद्दों को दुरुस्त करने के लिए 12 हजार रुपये की रिश्वत कथित तौर पर लेने के लिए गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

एजेंसी ने मामले के सिलसिले में क्षेत्रीय अधिकारी प्रशांत कुमार और दो व्यक्तियों पृथ्वी राज और रवि को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने 15,000 रुपये की रिश्वत कथित तौर पर मांगी थी जिसे घटाकर बाद में 12 हजार रुपये कर दिया गया।

सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, यह आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने शिकायतकर्ता द्वारा निर्देशित और निर्मित एक फिल्म के उपशीर्षक से संबंधित मुद्दों को दुरुस्त करने के लिए क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने के लिए रिश्वत की राशि को घटाकर बाद में 12 हजार रुपये कर दिया। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने उन्हें रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

प्रवक्ता ने कहा, क्षेत्रीय अधिकारी के परिसर में तलाशी ली गई और तीन लाख रुपये बरामद किये गये।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | गुरुवार | 30-11-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

सभी सदस्यों में परस्पर टीमवर्क बढाने, व्यक्तिगत स्तर पर लीडरशिप के गुर को विकसित करने और आपसी नेटवर्क संबंधित राबदा सशक्त करने के मकसद से जेबीएन ट्रेंडसेटर लीडर्स की बैठक में एक नवीन पहल की घोषणा की गई।

# फ़ैशन और कला का ख़ज़ाना लेकर आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत का प्रमुख फैशन शोकेस हाई लाइफ प्रदर्शनी बेंगलूरु में फ़ैशन और कला का ख़ज़ाना लेकर आ रही है। आयोजकों ने बताया कि इसका आग़ाज़ 1 दिसंबर को द ललित अशोक में होगा। यह 2 और 3 दिसंबर को भी जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक है। आयोजकों ने कहा कि चाहे खूबसूरत डिज़ाइनर परिधान हो, होने वाली दुल्हन के लिए शादी का पहनावा हो या हर दिन के फैशन परिधान, सहायक सामान, आभूषण और यहां तक कि आपके घर के लिए फैशन स्टेटमेंट, इस प्रदर्शनी में आप शानदार प्रॉडक्ट पाएंगे।

इसके अलावा ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि उपलब्ध रहेंगे। यहां अपने सबसे खास मौकों के लिए ट्यूनिक्स, केप, जैकेट और ड्रेप्स, समकालीन कट्स में क्रेप स्टाइल्ड, शानदार कढ़ाई और दुल्हन के पहनावे से संबंधित फैशन संग्रह होगा।

# जेबीएन ट्रेंडसेटर लीडर्स की बैठक में 'सत्ते पे सत्ता' पहल की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सभी सदस्यों में परस्पर टीमवर्क बढाने, व्यक्तिगत स्तर पर लीडरशिप के गुर को विकसित करने और आपसी नेटवर्क संबंधित राबदा सशक्त करने के मकसद से जेबीएन ट्रेंडसेटर लीडर्स की बैठक में एक नवीन पहल की घोषणा की गई। 'सत्ते पे सत्ता' नाम से शुरू हुए इस अभियान में चार संगठन के सदस्यों को नौ टीमों में बांटा किया जाएगा, और हर टीम में सात लोग शामिल होंगे। यह टीम संगठन के तमाम सदस्यों के कार्यालयों का 'ऑफ़िस दर्शन' करेगी। इसे प्रतियोगिता का रूप दिया गया है, जिसमें दिसंबर की पहली तारीख से लेकर आखिरी तारीख के बीच सबसे ज़्यादा 'ओफ़िस दर्शन' करने वाली तीन टीमों को विजेता माना जाएगा। जीतो एपेक्स से शुरू की गई 'चार पे चर्चा' को भी इस अभियान में जोडा गया है।

जीतो बेंगलूरु साऊथ द्वारा संचालित इस संगठन का उद्देश्य सदस्यों के कारोबारी ढांचे व कार्यप्रणाली को गौर से समझना है, ताकि व्यावसायिक नेटवर्किंग को और भी जवाबदेही तरीके से सुचारू बनाया जा सके । बुधवार को शहर में जेबीएन ट्रेंडसेटर लीडर्स की बैठक में कुल 44 सदस्य उपस्थित रहे और तीन अतिथि सदस्यों की भागीदारी भी देखी गई । तीन 'वन- टू-वन' मीटिंग और 54 रेफ़रल्स दर्ज़ किए गए । सदस्यों को अपने और अपने काम काज संबंधित संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत करने के लिए 30 सेकंड का समय दिया गया। इसका मकसद बाकी सदस्यों को टीम के लोगों के कारोबार के बारे में पता चल सके और नेटवर्क बढाने में सहायक हो सके।

बैठक का प्रारंभ नवकार मंत्र के साथ हुई। इस कार्यक्रम में के एस श्रीकांत को बतौर अतिथि वक्ता आमंत्रित किया गया था। उन्होंने रणनीतिक कार्य योजना तैयार करने, वित्तीय ऋण प्राप्त करने व उसके प्रबंधन संबंधित ठोस जानकारी दी। साथ ही कारोबारी विकास के लिए सरकारी सहूलियतों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। उत्पादन क्षेत्र में वित्तीय खर्च प्रबंधन पर रोशनी डाली, साथ ही सेवा क्षेत्र में उपलब्ध विकल्पों के बारे में चर्चा की । कारोबारी सत्र के दौरान सदस्यों ने व्यवसाय की विविध गतिविधियों का कार्य निर्वाह किया, प्रतियोगिता का एलान किया और आपस में रेफ़रल्स की जानकारी दी। आपसी सहयोग के लिए 'थैंक यू' स्लिप भी दी। नवीन सदस्य के रूप में अंकित जैन ने अपनी सदस्यता दर्ज़ करने की औपचारिकता पूरी की। 'थ्रेश टू कैश' नामक उनकी कंपनी ई-वेस्ट प्रबंधन में कार्यरत है। राष्ट्रगान के साथ बैठक का समापन हुआ।

# केएमवाईएफ द्वारा खेल गणवेश का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ एसोसिएशन द्वारा संचालित शिक्षा प्रोजेक्ट के अंतर्गत अस्पताल के पास विशेष बच्चों के लिए सरकारी बाल गृह में करीब 257 बच्चों को खेल गणवेश का वितरण एवं अल्पाहार दिया गया। संस्था के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी, मंत्री रणजीत मेहता एवं स्वामित्व ग्रुप के चेयरमेन बाबूभाई मेहता प्राचार्य कुमार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुत दी गई।

इस अवसर पर स्वामित्व ग्रुप के चेयरमेन बाबूभाई मेहता ने प्राचार्य सहित सभी कर्मचारियों का धन्यवाद किया जो इन विशेष बच्चों की देखभाल करते हैं। साथ ही उन्होंने इस योजना के प्रायोजक कमलेश-भरत डुंगरवाल का भी धन्यवाद किया।

उन्होंने अपने उद्बोधन में केएमवाईएफ द्वारा संचालित निशुल्क डायलिसिस योजना, निशुल्क कृत्रिम पैर योजना, शिक्षा योजना आदि की प्रशंसा की एवं बताया कि लगातार 42 वर्षों से केएमवाईएफ मानव सेवा कार्यों में निस्वार्थ भाव से अग्रसर है।

प्रशांत सिंघवी ने विज्ञप्ति में बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में फेडरेशन के राहुल मेहता, विक्रम जैन, राजेश पिरगल का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर अध्यापकगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। बच्चों के लिए अल्पाहार की भी व्यवस्था रखी गई।



# अक्कीपेट क्षेत्र एक धर्ममय नगरी है : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में अक्कीपेट स्थानक में अपना चातुर्मासिक कल्पपूर्ण कर महासाध्वी डॉ .प्रतिभाश्रीजी ने आज प्रथम विहार किया। इससे पूर्व अक्कीपेट स्थानक में साध्वी श्री ने कहा कि शबरी ने राम की आस्था और श्रद्धा से भक्ति की और चंदनबाला ने प्रभु महावीर के प्रति भक्ति की। ऐसी भक्ति पांच महीने में हमने अक्कीपेट में पाई। साधु तो मर्यादा नियम और कल्प में बंधा हुआ होता है।

जिस तरह निर्मल जल बहता हुआ अच्छा लगता है एक जगह जमा होने पर उसकी कोई कीमत नहीं होती है। इस तरह साधु भी पैदल विहार कर संसारी प्राणियों को दुखी देखकर उन्हें सुखी बनने का मार्ग बताएं वही वास्तव में साधु है। अक्कीपेटवासियों की अभूतपूर्व भक्ति को हम कभी भुला नहीं पाएंगे। ऐसी भक्ति भावना के साथ आप सब हमेशा धर्म ध्यान तप त्याग करते रहे। मंगल पाठ के बाद महासतीजी ने अक्कीपेट स्थानक से विशाल जनमेदिनी के साथ विहार यात्रा शुरु की। चंदनबाला महिला मंडल, सत्य बहू मंडल, नवयुवक मंडल, प्रतिभा बालिका मंडल एवं समस्त श्री संघ के साथ जयकारों के नारों की गूंज के साथ विहार कर पंचकेसरी बडेरा परिवार के चामराजपेट स्थित निवास स्थान पर पहुंची।

विहार के समय अनेक श्रावक श्राविकाओं की आंखों में अश्रुधारा बह रही थी। महासतीजी का अक्कीपेट में चातुर्मास जप, तप, स्वाध्याय आदि हर दृष्टिकोण से वास्तव में ऐतिहासिक रहा। अक्कीपेट के अलावा बेंगलूरु के अनेक उपनगरों से श्रावक श्राविकाओ ने पांचों महीने प्रतिदिन जिनवाणी श्रवण का लाभ लिया।

इस चातुर्मास में पंचकेसरी बडेरा परिवार ने पांच महीने तक अभूतपूर्व लाभ लिया। विहार के पश्चात बडेरा परिवार ने पधारे हुए श्रावक श्राविकाओं के आथित्य सत्कार का लाभ लेकर के अक्कीपेट श्री संघ की भी महिती कृपा बताई। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सब का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री विनोद भूरट ने किया।

# जीतो महिलाओं ने व्यवसाय की ओर बढ़ाये कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, उनकी व्यवसायिक क्षमताओं को उचित मंच देने तथा उनके व्यवसायिक संपर्कों को मज़बूती देने के उद्देश्य से जीतो में अपनी तरह के पहले महिला जेबीएन समूह की स्थापना कुछ दिनों पूर्व की गयी। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा स्थापित इस महिला रेफरल समूह वी कनेक्ट की पहली सभा का आयोजन जीतो के राजाजीनगर स्थित कार्यालय में अध्यक्ष सुष्मिता सेठिया, उपाध्यक्ष भाविका कोठारी व सचिव तनुजा मेहता के नेतृत्व में किया गया। सेठिया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह महिला रेफ़रल समूह सदस्यों के लिये उपयोगी व्यवसायिक संबंधों को विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध है। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ की महिला विंग अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने कहा कि बेंगलूरु जीतो ने हमेशा ही नई जनुपयोगी योजनाओं का नेतृत्व किया है तथा भारत भर के अन्य जीतो चेप्टर ने उन योजनाओं का अनुसरण किया है और महिला व्यवसायिक रेफ़रल समूह की शुरुआत भी आने वाले दिनों में इसका एक उदाहरण बनेगा।

जीतो नॉर्थ के जेबीएन सह संयोजक मदन मुणोत ने महिलाओं को उनके व्यवसायिक उन्नति की शुभ कामनायें दी। भाविका कोठारी के अनुसार बैठक में उपस्थित 25 सदस्यों व 3 आमंत्रित सदस्यों ने जीतो नॉर्थ के इस सोच की सराहना की। उन्होंने बताया कि प्रथम सभा में ही सदस्यों ने अपने व्यवसायिक उत्पादों की प्रस्तुति आत्मविश्वास से रखी।

तनुजा मेहता ने जानकारी दी कि सुष्मिता सेठिया को सबसे अधिक रेफ़रल देने, तनुजा मेहता को 30 सेकंड की शानदार प्रस्तुति देने तथा शीतल शाह को सबसे अधिक बिज़नस देने के लिए सम्मानित किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित अरिहंत तातेड ने वी कनेक्ट की स्थापना के उद्धेश्यों व जेबीएन की मौलिकता के बारे में विस्तार से बताया।

# साध्वी भव्य गुणा का दीक्षा दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां फ्रेजर टाउन में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्री ने कहा कि परमात्मा की आज्ञा में रहने वाला ही पवित्र और सच्चा मानव होता है। यदि हमारा नौकर भी आज्ञा नहीं माने तो वह भी हमें प्रिय नहीं लगता है। इसी प्रकार परमात्मा की आज्ञा नहीं मानेंगे तो हम भी परमात्मा के प्रिय नहीं बन पाएंगे। परमात्मा करुणा के सागर होते हैं। हमें जो कुछ इस संसार में मिलता है यह परमात्मा की कृपा से ही मिलता है। देवगुरु, धर्म, आर्य कुल और आर्य देश में जन्म मिला है यह हमारे पुण्य का ही फल होता है। पुण्य के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए।

पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीश्री भव्य गुणाश्री का आज 43वां दीक्षा दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वसंतराज भंसाली, हस्तीमल बाफना, कमल बाफना, गौतमचंद कांठेड, सुनील बाफना, अनिल बाफना, गौतमचंद लुणिया, किशनलाल गुलेच्छा, आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने साध्वीवृंद को कामली अर्पित करके शुभकामना प्रेषित की। भंसाली परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में साध्वीवृंद का अक्षत से बधाकर स्वागत किया गया। पारस भंसाली ने सभी का आभार व्यक्त किया। गुरुवार को साध्वीवृंद किलारी रोड स्थित गुरु राजेंद्र भवन पहुंचेंगी।

गायक कन्हैया झा का सम्मान करते हुए समाज के गणमान्य

# खेतेश्वर महाराज की भजन संध्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां श्री श्याम सखा परिवार बेंगलूरु द्वारा मैसूरु रोड स्थित राजपुरोहित समाज भवन पर कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर ब्रह्मर्षि खेतेश्वर महाराज कीर्तन सेवा के उपलक्ष में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस मौके पर राजपुरोहित समाज के आराध्य गुरुदेव खेतेश्वर महाराज का सुन्दर दरबार सजाया गया। पूजन कर ज्योति प्रज्वलित की गई।

रायसिंह नगर के गायक कन्हैया झा ने 'गुरुदेव दया करके मुझको अपना लेना' भजन की प्रस्तुति दी। जिस पर सभी उपस्थित झूम उठे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

# निर्मल और स्वच्छ विचारों से जीवन निर्मल बनता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूर/दक्षिण भारत। यहां श्री सुमतिनाथ जैन श्वतेाम्बर संघ के तत्वावधान में मुनिश्री मेरुपद्मसागरजी एवं मुनिश्री अर्हम् पद्मसागरजी म. ने बुधवार को अपने प्रवचन में कहा कि आप ऐसे विचार करें कि आप को अच्छे काल यानी सतयुग मे ले जाएं। जैसी हमारी दृष्टि होती है वैसी हमारी श्रृष्टि होती है। इसलिए अपनी दृष्टि निर्मल रखें। विचार निर्मल रखे तो जीवन भी निर्मल लेगा। जिसके पास बुरे विचार है, दुष्ट विचार है वो हमेशा संसार में भटकता है। इसलिए कैसा जीवन जीना है, यह आप पर निर्भर है। आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरिजी इन दिनों 25 दिन के लिए सूरिमंत्र की तीसरी है पीठिका माँ लक्ष्मी देवी की मौन एवं एकान्त साधना में रत है। दिसम्बर महिने की 11 तारीख को वे साधना संपन्न करके बाहर आएंगे और सबको दर्शन देंगे।

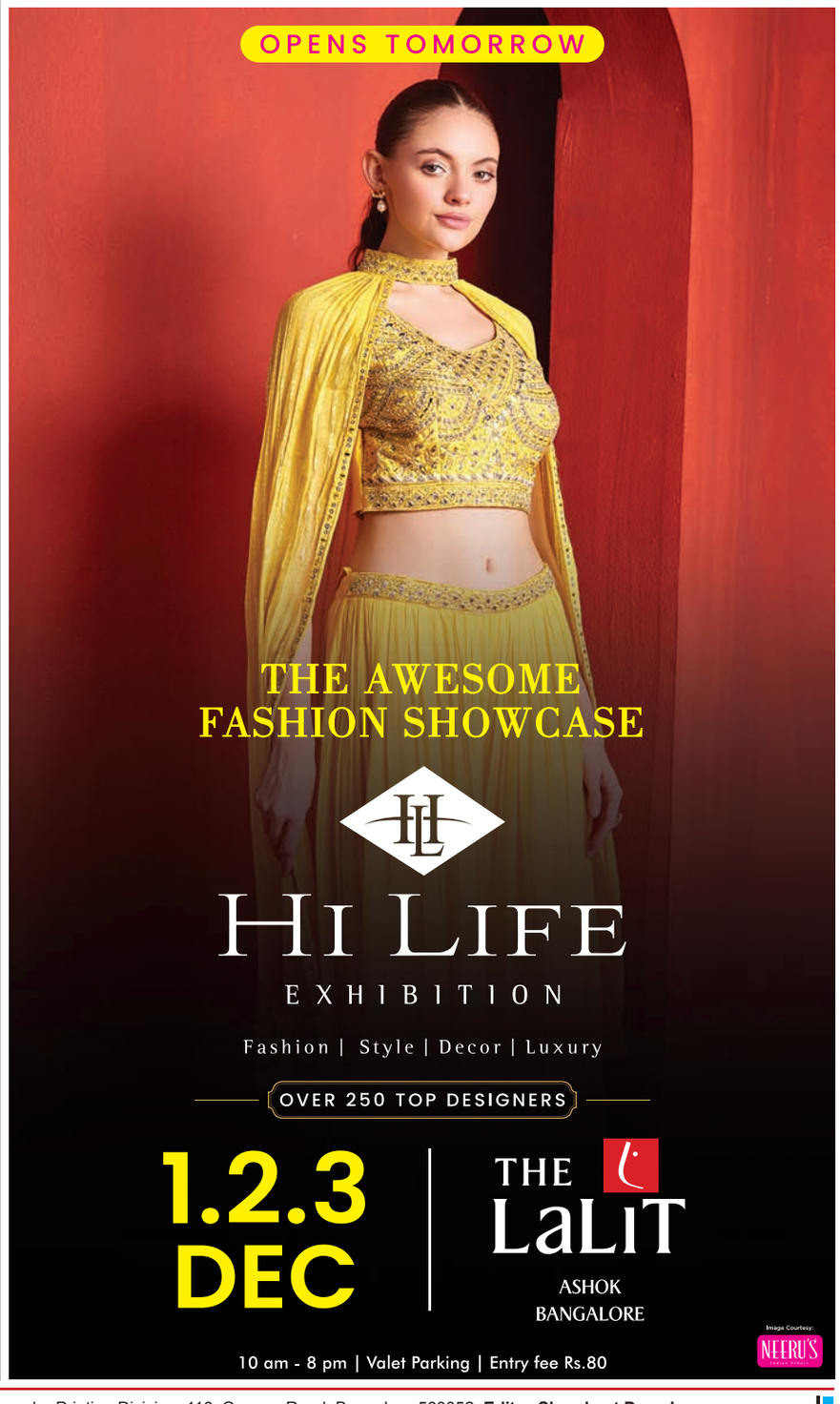


Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com